



राष्ट्रदूत

Rashtradoot

राहुल की समूची राजनीति ओ.बी.सी. दलित और अल्पसंख्यकों पर केन्द्रित है

इसलिए वे आरक्षण की सीमा 50 प्रतिशत से बढ़ाना चाहते हैं

रेणु मिश्रल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-
नई दिल्ली, 21 दिसम्बर भाजपा के गृहमंत्री तथा सरकार में न. दो अमित शाह ने जिस तरह डॉ. बी.आर. अम्बेडकर का अपमान किया है, उस पर कांग्रेस एक विस्तृत राष्ट्रव्यापी और तूफानी हमला करने की योजना बना रही है। इस सिलसिले में, प्रैस कॉन्फ्रेंस होगी, धरने होंगे, विरोध प्रदर्शन होंगे तथा उसके बाद, सी.डब्ल्यू.सी. की मीटिंग होगी, जिसमें इस पर तथा अन्य मुद्दों पर आगे की योजना बनाई जायेगी।

संसद में विरोध प्रदर्शन वाले दिन, भाई-बहन (राहुल और प्रियंका गांधी) नीले रंग के वस्त्र पहने हुये थे, जो दलित-उत्थान का प्रतीक है। इसी रंग के वस्त्र अम्बेडकर तथा कांशी राम पहन कर रहे थे, जो दलितों को सशक्त बनाकर, उन्हें राजनैतिक मुख्याधार में लाये थे।

■ कांग्रेस वर्किंग कमेटी के कई वरिष्ठ नेता और ए.आई.सी.सी. के मध्यम दर्जे के नेताओं में राहुल गांधी की राजनीति को लेकर काफी बेचैनी है। इन नेताओं को लगता है कि इससे सर्वगण पार्टी से पूरी तरह विमुख हो जायेंगे।

■ इन नेताओं का कहना है कि दलितों पर भरोसा नहीं किया जा सकता है, क्योंकि, इन्होंने कांग्रेस को त्याग दिया है, जैसा हरियाणा और महाराष्ट्र के चुनाव में हुआ था।

■ कांग्रेस के सर्वगण नेता व कार्यकर्ता चाहते हैं कि राहुल सवर्णों, ओ.बी.सी., दलितों व अल्पसंख्यकों के बीच संतुलन बिठाएं, पर लगता है राहुल उनकी नहीं सुन रहे हैं।

राहुल और प्रियंका ने अपना जनगणना है, और उसके बाद उस राजनैतिक एजेंडा बिल्कुल स्पष्ट बना लिया है। इसमें सबसे ऊपर जातीय चाहते हैं।

इसके अलावा, उनका जोर दलितों का जोरदार समर्थन करने पर होगा।

राहुल की पूरी राजनीति अब ओ.बी.सी., दलितों तथा अल्पसंख्यकों पर केन्द्रित है और वे चाहते हैं कि आरक्षण बढ़कर, 50 प्रतिशत को पार कर जाये।

सी.डब्ल्यू.सी. के बहुत से वरिष्ठ नेताओं के साथ, मध्यम श्रेणी के नेताओं में राहुल गांधी की इस राजनीति को लेकर काफी बेचैनी है। उनका मत है कि यह नीति ऊँची जातियों को कांग्रेस से बिल्कुल दूर कर देगी, तथा दलितों पर भरोसा नहीं किया जा सकता, उन्होंने कांग्रेस को छोड़ दिया है, जैसा हरियाणा और महाराष्ट्र में हुआ।

कांग्रेस के ऊँची जातियों के नेता और कार्यकर्ता चाहते हैं कि राहुल संतुलन बनाये रखें, लेकिन ऐसा लगता है कि राहुल उनकी नहीं सुन रहे हैं।

'वाहनों के अवधि पार फिटनेस नवीनीकरण में अतिरिक्त फीस अवैध'

जयपुर, 21 दिसम्बर। राजस्थान हाईकोर्ट ने कर्मशिवल वाहनों के अवधि पार फिटनेस प्रमाण पत्र का नवीनीकरण के लिए पचास रुपए प्रतिदिन के हिसाब से अतिरिक्त फीस वसूलने के प्रावधान को कानून की नजर में गलत मानते हुए, उसे अवैध घोषित कर दिया है। इसके साथ ही, अदालत ने कहा है कि

■ वाहनों पर अवधि पार नवीनीकरण में 50 रुपये प्रतिदिन की अतिरिक्त फीस वसूलने के प्रावधान को अवैध घोषित किया।

याचिकाकर्ताओं से फिटनेस प्रमाण पत्र के नवीनीकरण के लिए देरी के आधार पर अतिरिक्त फीस वसूल नहीं की जाए। चीफ जस्टिस एमएम श्रीवास्तव और जस्टिस आशुतोष कुमार की खंडपीठ ने ये आदेश श्याम प्रकाश मीणा व 195 अन्य याचिकाओं पर संयुक्त रूप से सुनवाई करते हुए दिए।

याचिका में अधिवक्ता सतीश खंडेलवाल और अधिवक्ता राजनी व्यास ने अदालत को बताया कि केन्द्र सरकार ने मोटर वाहन अधिनियम के तहत, 4 अक्टूबर, 2021 को (शेष पृष्ठ 3 पर)

एल.पी.जी. टैंकर ब्लास्ट में हाई कोर्ट ने प्रसंज्ञान लिया

जयपुर, 21 दिसम्बर। राजस्थान हाईकोर्ट ने जयपुर-अजमेर हाईवे पर भांकरोटा के पास एलपीजी टैंकर ब्लास्ट की घटना पर स्वप्रेरणा से प्रसंज्ञान लिया है। इसके साथ ही, अदालत ने आपदा प्रबंधन मंत्रालय, पेट्रोलियम सचिव और मुख्य सचिव सहित अन्य से जवाब तलब किया है। वहीं, अदालत ने प्रकरण को जनहित याचिका के तौर पर सुनवाई के लिए संबंधित खंडपीठ के समक्ष दस जनवरी को सूचीबद्ध करने को कहा है। अदालत ने इस मुद्दे पर केन्द्र और राज्य सरकार

■ केन्द्र व राज्य सरकार से इस मुद्दे पर उठाये गए कदमों के बारे में जानकारी मांगी।

से उठाए गए कदमों की जानकारी भी मांगी है। जस्टिस अनूप कुमार खंड की एकलपीठ ने यह आदेश दिए।

अदालत ने केन्द्र और राज्य सरकार से बताने को कहा है कि क्यों न इस हादसे के दोषी अफसरों के खिलाफ जांच कर इसमें लापरवाही बरतने वालों पर कार्रवाई की जाए। वहीं, अत्यधिक ज्वलनशील रसायन व गैस के गोदाम आदि को घनी आवादी क्षेत्र से दूर किया जाए। अदालत ने अधिकारियों से यह भी पूछा है कि क्यों न पुलों एवं ओवरब्रिजों के निर्माण कार्य को तय समय में पूरा करने के लिए कदम उठाए जाएं और ज्वलनशील गैस व रसायनों के परिवहन के लिए एक पृथक रास्ता तैयार करने पर भी पॉलिसी बनाई जानी चाहिए।

अदालत ने केन्द्र और राज्य सरकार के संबंधित विभागों को बताने को कहा है कि क्यों न घटना के मृतकों, चालकों (शेष पृष्ठ 3 पर)

आप और जद (यू) के बीच छिड़ा शब्द युद्ध

अंबेडकर के मुद्दे पर केजरीवाल की चिट्ठी से भड़की जद (यू)

-श्रीरंज झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-
नई दिल्ली, 21 दिसम्बर। अंबेडकर के बारे में गृह मंत्री अमित शाह की "अपमानजनक टिप्पणियों" को लेकर भाजपा तथा उसके दो प्रमुख सहायक दलों, तेलुगू देशम पार्टी (टी.डी.पी.) तथा जनता दल (यू) के बीच दूर दूर पैदा करने की अरविंद केजरीवाल की चाल के बाद, दोनों पार्टियों के बीच जुबानी जंग छिड़ गई है। शाह की टिप्पणियों को लेकर बढ़ते विवाद के बीच, आम आदमी पार्टी के कन्वीवर अरविंद केजरीवाल ने टी.डी.पी. चीफ चंद्रबाबू नायडू और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को पत्र लिखकर आग्रह किया है कि संबंधित निर्माता के विरुद्ध गृह मंत्री अमित शाह की अपमानजनक टिप्पणियों के बाद उन्हें अपने आपको भाजपा से अलग कर लेना चाहिए।

इस संबंध में अपना रुख स्पष्ट करने के बजाय टी.डी.पी. चुप रही, जबकि जद (यू) ने जवाबी हमला करते हुए केजरीवाल पर, दलितों को प्रतिनिधित्व नहीं देने का आरोप लगाया। दोनों नेताओं को लिखे अपने पत्रों में केजरीवाल ने टी.डी.पी. व जद (यू) से आग्रह किया था कि वे भाजपा के साथ अपनी पार्टनरशिप के बारे में पुनः विचार करें। केजरीवाल ने कहा, "जो लोग अंबेडकर से प्यार करते हैं, वे भाजपा

■ जद (यू) के कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा ने कहा कि एक भ्रष्ट पार्टी को कुमार जैसे नेता को सलाह देने की जरूरत नहीं है। उन्होंने केजरीवाल पर दलितों को प्रतिनिधित्व नहीं देने का आरोप लगाया।

■ केजरीवाल ने अंबेडकर पर शाह की टिप्पणी के खिलाफ जद (यू) प्रमुख व तेलुगू देशम प्रमुख को पत्र लिखा था और भाजपा से गठबंधन तोड़ने की अपील की थी।

■ इस मुद्दे पर जहाँ तेलुगू देशम ने चुप्पी साध रखी है वहीं जद (यू) ने आम आदमी पार्टी पर करारा हमला बोला।

का समर्थन नहीं कर सकते, जिसने अंबेडकर का अपमान किया है।

जद (यू) वर्किंग प्रेसिडेंट तथा राज्यसभा सदस्य, संजय झा ने पलटवार किया तथा केजरीवाल की आलोचना करते हुए कहा कि उन्होंने दलितों और पिछड़े वर्गों को प्रतिनिधित्व नहीं दिया। झा ने कहा कि "भ्रष्टाचार के आरोपों" से दूषित पार्टी को नीतीश कुमार जैसे व्यक्ति को सुझाव देने का अधिकार नहीं है।

झा ने केजरीवाल पर, हाशिए पर पड़े अधिकार विहीन वर्गों को नजरअंदाज करने का आरोप लगाया। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि आप ने दलित और पिछड़े वर्गों के एक भी नेता को राज्यसभा में नहीं भेजा। उन्होंने केजरीवाल पर आरोप लगाया कि दलित नेता को पंजाब का उपमुख्यमंत्री बनाने का अपना वादा भी केजरीवाल ने पूरा नहीं किया।

झा ने आगे कहा, नीतीश कुमार ने 2014 में महादलित जीतन राम मांझी को मुख्यमंत्री बनाया था। उन्होंने कहा कि इण्डिया ब्लाक के साथ गठबंधन के समय नीतीश कुमार ने जाति जनगणना का मुद्दा उठाया था और यह भी कि ब्लॉक के अन्य पार्टनरों से उन्हें इस मुद्दे पर बहुत कम समर्थन मिला था।

झा ने यह भी कहा कि दो दलित मंत्रियों ने केजरीवाल के मंत्रिमंडल से यह कहते हुए इस्तीफा दिया कि उनके लोगों के हितों की अनदेखी की जा रही थी। झा ने कहा कि "2020 में, जब कोविड महामारी अपने चरम पर थी, उस समय केजरीवाल ने बिहार के लोगों के साथ अच्छा व्यवहार नहीं किया, जबकि उस आपदा के समय नीतीश कुमार ने ऐसे लोगों के लिए हर तरह के इंतजाम किए थे।"

क्रेडिट कार्ड बकाया के भुगतान से 30 प्रतिशत ब्याज की सीमा हटाई सुप्रीम कोर्ट ने

सुप्रीम कोर्ट ने 2008 के नैशनल कंज्यूमर डिस्प्यूट्स रीट्रैसल कमीशन के आदेश को रद्द किया

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-
नई दिल्ली, 21 दिसम्बर। सुप्रीम कोर्ट ने नैशनल कंज्यूमर डिस्प्यूट्स रीट्रैसल कमीशन के उस आदेश को रद्द कर दिया, जिसमें बैंकों को क्रेडिट कार्ड के बकाया या 30 प्रतिशत ब्याज वसूली की सीमा लगाई गई थी। जस्टिस बेला एम. त्रिवेदी और सतीश चन्द शर्मा की बेंच ने आयोग के 2008 के फैसले को रद्द कर दिया, जिसके तहत कहा गया था कि क्रेडिट कार्ड यूजर्स से बकाया पर 30 प्रतिशत से ज्यादा ब्याज वसूलना गलत ट्रेड प्रैक्टिस है।

कोर्ट ऐसी याचिका को सुनवाई कर रही थी, और अब आर.बी.आई. मामले में दिए गए आयोग के निर्णय को चुनौती देती है, जिसमें आयोग के समक्ष सवाल था कि क्या बैंकों के भुगतान में देरी होने से क्रेडिट कार्ड पर 36 से 49 प्रतिशत तक ब्याज लगाना ठीक है, क्या ऐसी ब्याज दरों को सूद खोरी माना जाएगा

■ रिट्रैसल कमीशन ने 2008 के फैसले में क्रेडिट कार्ड बकाया के भुगतान पर 36 से 49 प्रतिशत ब्याज वसूली को सूद खोरी बताया था और ब्याज की सीमा 30 प्रतिशत तय कर दी थी।

■ कमीशन के फैसले के खिलाफ दायर बैंकों की याचिका पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने आयोग का फैसला पलट दिया।

■ इस फैसले से ग्राहकों की मुश्किलें बढ़ सकती हैं, अगर उन्होंने निर्धारित समय पर क्रेडिट कार्ड का बकाया नहीं चुकाया तो।

और क्या रिजर्व बैंक को, बैंकों/गैर बैंकिंग वित्तीय संस्थानों/पैसा उधार देने वालों को किसी विशिष्ट ब्याज दर से अधिक ब्याज लेने से रोकने के लिए दिशा निर्देश जारी करना चाहिए।

रिजर्व बैंक ने कहा कि हालांकि उसने बैंकों को निर्देश दिया है कि जरूरत से ज्यादा ब्याज दर न ली जाए, लेकिन

उसकी नीति ब्याज दरों को नियंत्रित करने की नहीं है। इसलिए यह मामला बैंकों के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स के सुपुर्द कर दिया गया है। इसलिए आर.बी.आई. को निर्देश जारी नहीं किया जा सकता, क्योंकि यह 1949 के बैंकिंग विनियमन अधिनियम के तहत एक विवेकाधीन शक्ति है।

'24 दिसम्बर को देश भर में अंबेडकर के सम्मान में और शाह के खिलाफ प्रदर्शन होगा'

कांग्रेस और बसपा ने अपने-अपने कार्यक्रम घोषित किए

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-
नई दिल्ली, 21 दिसम्बर। कांग्रेस और बहुजन समाज पार्टी ने आज घोषणा की कि बाबा साहेब अम्बेडकर पर केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह की हाल ही की टिप्पणी को लेकर 24 दिसम्बर को पूरे देश में विरोध-प्रदर्शन किया जायेगा।

जहाँ बहुजन समाज पार्टी (बसपा) प्रमुख मायावती ने घोषणा की है कि संसद में डॉ. बी.आर. अम्बेडकर पर केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह के बयान के विरोध में 24 दिसम्बर को देशव्यापी प्रदर्शन किया जायेगा, वहीं कांग्रेस महासचिव तथा संगठन प्रभारी के.सी. वेणुगोपाल ने कहा है कि पार्टी का विरोध-प्रदर्शन, जिसमें शाह के इस्तीफे की मांग की जा रही है, जारी रहेगा तथा वे (कांग्रेस) "मनुस्मृति-पूजकों" के विरोध में, अम्बेडकर की विरासत की सुरक्षा के लिये संघर्ष करेंगे।

मायावती ने कहा, "अमित शाह ने बाबा साहेब का अपमान करके, जनता

■ कांग्रेस के महासचिव के.सी. वेणुगोपाल ने अंबेडकर सम्मान सप्ताह मनाने की घोषणा करते हुए कहा, मनुस्मृति के उपासकों के खिलाफ अंबेडकर की विरासत को बचाने के लिए और शाह का इस्तीफा मांगने के लिए हमारा आंदोलन जारी रहेगा।

■ मायावती ने एक्स पर कहा, हमने कहा अमित शाह माफी मांगें और अपने शब्द वापस लें, पर उन्होंने ऐसा नहीं किया इसलिए हम 24 दिसम्बर को देश भर में उनके खिलाफ प्रदर्शन करेंगे।

■ कांग्रेस महासचिव वेणुगोपाल ने कहा कि 22 और 23 दिसम्बर को कांग्रेस के सभी नेता सांसद अपने क्षेत्रों में प्रैस कॉन्फ्रेंस करेंगे और 24 दिसम्बर को देश में अंबेडकर सम्मान मार्च आयोजित किए जायेंगे।

के हृदय को आघात पहुँचाया है। इतने महान व्यक्ति के खिलाफ बोले गये शब्दों के कारण, पूरे देश की जनता नाराज एवं उत्तेजित है।

शनिवार को सोशल मीडिया एक्स पर एक बयान में, मायावती ने लिखा,

"बसपा ने माँग की थी कि अमित शाह को, अपना बयान वापस लेकर, पश्चाताप करना चाहिये, लेकिन उन्होंने अब तक क्षमा-याचना नहीं की है।" उन्होंने कहा, "ऐसी स्थिति में, बसपा ने 24 दिसम्बर को देशव्यापी

विरोध करने का निर्णय लिया है। उस दिन सभी जिला मुख्यालयों पर विरोध एवं प्रदर्शन किये जायेंगे।"

जैसी कि पहले सूचना दी जा चुकी है, कांग्रेस आगामी सप्ताह को "अम्बेडकर सम्मान सप्ताह" के रूप में मनायेगी। इसी सिलसिले में, वेणुगोपाल ने "एक्स" पर एक पोस्ट में लिखा है, "सभी कांग्रेस सांसद, वरिष्ठ नेता तथा कांग्रेस वर्किंग कमेटी (सी.डब्ल्यू.सी.) के सदस्य अपने निर्वाचन क्षेत्रों तथा गृह जिलों में 22-23 दिसम्बर को प्रैस कॉन्फ्रेंसों का आयोजन करें। 24 दिसम्बर को, हम सारे देश में बाबा साहेब अम्बेडकर सम्मान मार्च निकालेंगे तथा जिला कलेक्टरों के माध्यम से भारत के राष्ट्रपति को ज्ञापन देंगे, जिसमें अमित शाह के इस्तीफे की माँग की जायेगी।"

वरिष्ठ कांग्रेस नेता ने कहा कि सभी पार्टी कार्यकर्ता बाबा साहेब की मूर्ति पर माल्यार्पण करेंगे, पर-यात्रा में सबसे (शेष पृष्ठ 3 पर)

JJS 2024
The Sparkle Continues...

There's still so much to explore make the most of this glittering experience and discover the finest jewellery creations.

See you at JJS!

the
December
show

NOVOTEL JAIPUR
CONVENTION CENTRE(JECC)
20-23 DEC.

www.jaipurjewelleryshow.org

RUBY PROMOTION PARTNER
GEMFIELDS

SHOW TIMINGS : 22nd of December (Sunday) Business Hours: 10:00AM - 7:00PM
23rd of December (Monday) Business Hours: 10:00AM - 6:30PM (Entry to the Exhibition will close 30 min prior to the closing time)
SHUTTLE SERVICE at 9:00AM from: Veda Panigrah Marriage Garden Bhawani Singh Road, Jaipur (Valet service available)

विचार बिन्दु

चेहरा मस्तिष्क का प्रतिबिम्ब है और आँखें बिना कहे दिल के राज खोल देती हैं।
—सैट जेरोमे

पेड़-पौधे सिर्फ हरियाली नहीं हैं, ये हमारी आत्मा को प्रफुल्लित करने के माध्यम हैं

प्राकृतिक परिवेश में समय बिताना मेरे जीवन का एक अभिन्न हिस्सा बन चुका है। यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि हर बार जब मैं प्रकृति के करीब गया हूँ, मैंने अपने भीतर और बाहर कुछ अनमोल बदलाव महसूस किए हैं। आयुर्वेद में वनानुभव का महत्त्व लेनिक सन्दर्भों में वर्णित है। समकालीन शोध भी इस विषय में कम नहीं है। वर्ष 2019 में मैंने एक वैज्ञानिक अध्ययन के बारे में पढ़ा, जिसमें बताया गया था कि सप्ताह में 120 मिनट प्रकृति में बिताने से स्वास्थ्य और मानसिक संतुलन में बड़ा सुधार होता है। इसे पढ़ने के बाद, मैंने इसे अपने बहुत से साथियों को जीवन में लागू करने हेतु प्रेरित किया। जिन साथियों ने भी 120 मिनट का नियम अपनाया, उनका अनुभव अद्भुत है। किसी वन में या घने शहरी पार्क में ऊँचे पेड़ों के बीच बैठकर पक्षियों की चहचहाहट सुनते हुए आप महसूस कर सकते हैं कि आपके मन की बेचैनी धीरे-धीरे गायब हो रही है। यह अनुभव आपको आयुर्वेद और समकालीन अध्ययनों की सत्यता का प्रमाण देगा। आप महसूस करेंगे कि कैसे प्रकृति के साथ जुड़ाव आपके भीतर एक गहरा सुकून ला सकता है। आज यहाँ मैं आपको वनानुभव पर अपने साथियों के अनुभव साझा करूँगा।

एक दिन, अत्यधिक तनाव के कारण मेरे एक साथी की रात की नींद उड़ गई थी। दोस्त को मैंने सलाह दिया, “क्यों न जंगल में लंबी सैर कर के आ जाओ?” वह हिचकिचाते हुए सहमत हुआ। अगले ही दिन हम पास के एक जंगल में गए। वहाँ की ताजा हवा, चूषों से छनकर आती धूप, और मिट्टी की खुशबू ने उसके अंदर कुछ बदल दिया। जब वह वापस लौटकर अपने को आईने में देखा, तो उसकी आँखों में एक नई चमक थी। यह अनुभव मेरे उसके लिए व्यक्तिगत था, लेकिन वैज्ञानिक तथ्यों पर ध्यान दिया जाय तो पता चलता है कि वनस्पतियों से निकलने वाले केमिकल्स हमारी प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत करते हैं। वनों में घूमना न सिर्फ एक अच्छा एहसास देता है, अपितु इससे आपका शरीर भी लाभान्वित होता है। आपके दिल की धड़कनें सामान्य होने लगती हैं, रक्तचाप स्थिर होने लगता है। तनाव हार्मोन कॉर्टिसोल का स्तर भी कम होता है। वस्तुतः प्रकृति में समय बिताना न केवल मन के लिए बल्कि शरीर के लिए भी आवश्यक है।

कुछ साल पहले, मेरे एक साथी का जीवन एक कठिन दौर से गुजर रहा था। वह गहरे तनाव और अवसाद में था। एक दिन, बिना किसी योजना के, उसे मैंने अपने साथ एक ऊँचे घने चूषों वाले पहाड़ी रास्ते पर लेकर गया। ऊँचे पेड़ों के बीच चलते हुए उसने मुझे बताया कि वह आज अपनी साँसों को आवाज सुन और महसूस कर रहा है और हर कदम के साथ कंधों से बोझ हटका होता जा रहा है। उस दिन, मैंने वनानुभव का सही अर्थ समझाया। जापानी संस्कृति में भी इस तत्त्वज्ञान को शिनरिन-योकु के यान-स्नान तकनीक के नाम से जाता है जो मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के लिए प्रयोग की जाती है। विज्ञान में इसके पक्ष में अनेक अध्ययन हैं लेकिन मेरे मित्र के लिए यह सिर्फ विज्ञान नहीं था—यह उसके जीवन की कहानी का एक नया अध्याय था।

आप पाएंगे कि जब आप प्रकृति में समय बिताने हैं, तो रचनात्मकता और सोचने की क्षमता बढ़ जाती है। एक बार मेरा एक साथी अपनी एक परियोजना पर अटक हुआ था, तो मैंने उसे जंगल घूम कर आने की सलाह दी। वापस आने पर, समाधान खुद-ब-खुद स्पष्ट हो गया। यह उसके लिए एक सबक था—जब दिमाग भटक रहा हो, तो उसे थोड़ी देर के लिए प्रकृति के हवाले कर दें। मेरे बेटे की कहानी भी ऐसी ही प्रेरणादायक है। बचपन में वह वीडियो गेम्स में इतना खो जाता था कि उसकी सामाजिक और शारीरिक गतिविधियाँ कम होने लगी थीं। मैंने उसे अपने साथ वनों में घूमने का फैसला किया। उसने मुझे बताया कि उसने वहाँ पेड़-पौधों को अपना सबसे अच्छा दोस्त मानने लगा है। उसने कहा, “जंगल में रहना ऐसा लगता है जैसे मैं खुद से जुड़ गया हूँ।” आज उसे जब भी समय मिलता है देश भर के वनों और वन्य-जीव अभयारण्यों में टहलने के लिए चल देता है। सुन्दर प्रकृति की खोज में देश भर में वह लाखों किलोमीटर अपनी मोटर साइकिल से घूम चुका है। यह अनुभव मुझे एक अध्ययन की याद दिलाता है, जिसमें बताया गया है कि बच्चों का प्रकृति से जुड़ाव उनके सामाजिक और भावनात्मक विकास को मजबूत करता है।

आज, जब जीवन के संघर्षों और भागदौड़ में हमारा संबंध अपनी जड़ों से टूटता जा रहा है, वृक्ष और वनस्पतियाँ हमें पुनः स्मरण कराती हैं कि हमारी आत्मा का पोषण केवल प्रकृति के माध्यम से ही संभव है। उनकी हरियाली में छुपा है एक ऐसा अमृत, जो हमें मानसिक स्थिरता और आनंद प्रदान करता है। वे हमारे जीवन में संतुलन और सामंजस्य का प्रवेश कराते हैं। इसलिए, आइए, अपने जीवन में वृक्षों और वनस्पतियों को केवल पर्यावरण का हिस्सा न मानें। उन्हें अपनी दिनचर्या का अभिन्न अंग बनाएं।

इसी तरह एक दादी माँ को अकेलेपन से जूझ रही थीं, उन्हें मैंने पास के पार्क में सुबह की सैर के लिए प्रेरित किया। कुछ महीनों में ही उनकी हँसी और जोश वापस आ गया। वह कहने लगीं, “यह पार्क मेरा नया दोस्त बन गया है।” यह देखकर मुझे एहसास हुआ कि प्रकृति का प्रभाव केवल बच्चों पर ही नहीं, बल्कि वृद्धजनों पर भी गहरा होता है। एक और घटना याद आती है। मेरी दादी ने एक बार बताया था कि जब वह युवा थीं, तो कैसे खेतों में काम करते हुए प्रकृति के साथ उनका संबंध मजबूत हुआ करता था। उन्होंने कहा, “वह लूल भरी मिट्टी, खेतों की हवा—यह सब मेरे जीवन का हिस्सा था।” यह याद हमें बताती है कि हमारे पूर्वजों का प्रकृति के साथ गहरा रिश्ता था, जो आज हम खोते जा रहे हैं।

अनेक बार मैंने एक सामुदायिक वृक्षारोपण अभियानों में भाग लिया है। वहाँ लोग भले ही अजनबी हों लेकिन जैसे ही मिलकर पेड़ लगाते हैं उन लोगों के मध्य मित्रता का प्रारंभ हो जाता है। यह देखकर मुझे अनुभव हुआ कि प्रकृति केवल व्यक्तिगत शांति का ही खोत नहीं है, बल्कि यह सामाजिक संबंधों को भी ठोस बनाती है। एक अध्ययन में यह पाया गया है कि सामुदायिक प्रकृति परियोजनाएँ सामाजिक जुड़ाव को प्रोत्साहित करती हैं। लेकिन मेरे लिए यह सिर्फ एक अध्ययन नहीं है—यह मेरे जीवन का हिस्सा है।

प्राकृतिक परिवेश में समय बिताना उन लोगों के लिए जीवन को बदलने वाला अनुभव रहता है जो शहरों में रहते हैं। यह सिर्फ शारीरिक या मानसिक स्वास्थ्य के लिए ही नहीं, बल्कि पूरे जीवन के लिए एक नई दिशा प्रदान करता है। वृक्ष और वनस्पतियाँ केवल पृथ्वी का श्रृंगार मात्र नहीं हैं; वे जीवन की गूढ़ अनुभूतियों के सजीव उपदेशक हैं। उनकी हरियाली में निहित है हमारी आत्मा को प्रफुल्लित करने की अनुपम शक्ति, जो बाह्यशांति के साथ-साथ आंतरिक उत्साह का संचार करती है। वे केवल श्वास हेतु प्राणवायु ही नहीं देते, अपितु हमें धैर्य, त्याग और निरंतरता का अनमोल पाठ भी पढ़ाते हैं। प्रकृति का प्रत्येक कण एक प्रेरक संदेश प्रदान करता है। जब हम किसी विशाल वटवृक्ष के नीचे बैठते हैं, तो उसकी घनी छाया हमें केवल तपती धूप से नहीं बचाती, वरन् मन के क्लेशों को भी हर लेती है। उस वृक्ष की स्थिरता और गहराई हमें सिखाती है कि जीवन के झंझावातों में भी स्थिरता और संतुलन बनाए रखना कितना महत्वपूर्ण है। उसकी गहन जड़ें धरती में मजबूती से धंसी होती हैं, जो हमें अपने मूल्यों और संस्कारों से जुड़े रहने की प्रेरणा देती है, जबकि उसकी फैली हुई शाखाएँ खुले आकाश की ओर बढ़ती हैं, जो हमें उच्च आदर्शों की ओर अग्रसर होने का संकेत देती हैं।

पत्तों की सरसरहट, पुष्पों की मुदुल सुगंध, और वायु में तैरती ताजगी का अहसास—यह सब हमारे मन और आत्मा को उस दिव्यता से जोड़ देते हैं, जो आधुनिक जीवन की आपाधापी में कहीं खो गई है। यह प्रकृति का मौन संवाद है, जो हमारे भीतर की शांति को जागृत करता है और हमें आत्मनिरीक्षण का अवसर प्रदान करता है।

पुनः आप यह कह सकते हैं कि वृक्ष हमें केवल प्राणवायु ही नहीं प्रदान करते; वे हमें जीने की कला भी सिखाते हैं। वटवृक्ष की दृढ़ता, बांस की लचक, और गुलमोहर का उत्सवधर्मी स्वभाव—प्रत्येक वृक्ष में जीवन के विभिन्न रंग झलकते हैं। पतझड़ में पत्तों का झड़ना हमें यह शिक्षा देता है कि पुराने बंधनों को त्यागने में ही नवनिर्माण का रहस्य छुपा है। वसंत का उत्साह हमें बताता है कि हर कठिन समय के बाद एक नवीन प्रभात अवश्य आता है। वे हमें परिवर्तन की अनिवार्यता और उसे स्वीकार करने की क्षमता प्रदान करते हैं।

वृक्षों की मूक उदारता भी हमें सिखाती है कि कैसे बिना किसी अपेक्षा के दूसरों को देना चाहिए। वे फल, छाया, और प्राणवायु प्रदान करते हैं, बिना किसी स्वार्थ को। यह निःस्वार्थ सेवा का श्रेष्ठ उदाहरण है, जो हमें अपने जीवन में अपनाता चाहिए।

जब हम किसी वृक्ष के निकट बैठते हैं, तो यह अनुभव करते हैं कि वह वृक्ष हमारी भावनाओं को अपने भीतर समाहित कर लेता है। उसकी मूक उपस्थिति हमारे भीतर छिपी कलांति को हर लेती है और एक नवचेतना का संचार करती है। प्रकृति के परिबन्ध में बिताया गया हर क्षण हमारी आत्मा को उस गहन शांति और संतुलन से भर देता है, जिसकी खोज में हम प्रायः भटकते हैं। यह मन, शरीर और आत्मा का परिष्कार है, जो हमें आत्मज्ञान और आत्मबोध की ओर ले जाता है। वृक्षों के साथ यह संलाप हमें अपने भीतर की आवाज सुनने का अवसर प्रदान करता है। उनकी मौन शिक्षा हमें बताती है कि स्थिरता में भी शक्ति होती है, और मौन में भी संदेश।

आज, जब जीवन के संघर्षों और भागदौड़ में हमारा संबंध अपनी जड़ों से टूटता जा रहा है, वृक्ष और वनस्पतियाँ हमें पुनः स्मरण कराती हैं कि हमारी आत्मा का पोषण केवल प्रकृति के माध्यम से ही संभव है। उनकी हरियाली में छुपा है एक ऐसा अमृत, जो हमें मानसिक स्थिरता और आनंद प्रदान करता है। वे हमारे जीवन में संतुलन और सामंजस्य का प्रवेश कराते हैं। इसलिए, आइए, अपने जीवन में वृक्षों और वनस्पतियों को केवल पर्यावरण का हिस्सा न मानें। उन्हें अपनी दिनचर्या का अभिन्न अंग बनाएं। उनके सान्निध्य में बिताया गया एक-एक पल हमें उस आध्यात्मिक शक्ति से जोड़ेगा, जो हमारी आत्मा को सजीव और प्रफुल्लित कर देगा। वृक्षारोपण करें, बगीचों में समय बितायें, और प्रकृति के सान्निध्य का आनंद लें। यह केवल एक क्रिया नहीं, बल्कि आत्मा की तृप्ति का मार्ग है।

—अतिथि सम्पादक,
डॉ. दीप नारायण पाण्डेय
(भारतीय वन सेवा से सेवानिवृत्त; वर्तमान में अनेक विश्वविद्यालयों में विजिटिंग प्रोफेसर)
(यह लेखक के निजी विचार हैं और 'सार्वभौमिक कल्याण के सिद्धांत' से प्रेरित हैं)



अविनाश जोशी

खाद्य पदार्थों में मिलावट एक गंभीर मुद्दा है जो पीढ़ियों से हमारे भोजन की गुणवत्ता और सुरक्षा को प्रभावित कर रहा है। अब समय आ गया है कि इस प्रथा को समाप्त किया जाए और मांग की जाए कि हमारा भोजन हानिकारक पदार्थों से मुक्त हो। पिछले एक दशक में, दुनिया के विभिन्न हिस्सों में खाद्य पदार्थों में मिलावट के मामलों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। खाद्य अपमिश्रण से आंखों की रोशनी जाना, हृदय संबंधित रोग, लीवर खराब होना, कुष्ठ रोग, आहार तंत्र के रोग, पक्षाघात व कैंसर जैसे हो सकते हैं। अनेक स्वार्थी उत्पादक एवं व्यापारी कम समय में अधिक लाभ कमाने के लिए खाद्य सामग्री में अनेक सस्ते अवयवों को मिलावट करते हैं, जो हमारे शरीर पर दुष्प्रभाव डालते हैं।

नए रोगों के चलते डॉक्टरों के यहाँ लगी रोगियों की लंबी कतारें काफी हद तक मिलावटी खाद्य पदार्थों का ही नतीजा हैं। सबसे विकट स्थिति उपभोक्ता के सामने होती है, जो ज्यादातर मामलों में असली सामान की पहचान करने की संभावित नहीं रखते।

हम सब अपने खाने-पीने को लेकर इतने सजग होते हैं कि भोजन में जरा भी गड़बड़ होने पर उसे छोड़ देना बेहतर समझते हैं। मगर इस बात का पता

शायद ही हमें कभी चल पाता है कि बाजार में जितने भी खाद्य पदार्थ मिल रहे हैं, उनमें कितने मिलावटी हैं और वे हमारे शरीर को कितना नुकसान पहुँचा रहे हैं। मगर इस बीच आम लोगों के बीच मिलावटी खाद्य पदार्थों को लेकर थोड़ी जागरूकता बढ़ी है।

भारत सरकार ने खाद्य अपमिश्रण निवारण अधिनियम सहित कई कानून बनाकर इस मुद्दे की गंभीरता को स्वीकार किया है। हालाँकि, खाद्य अपमिश्रण की प्रकृति हर राज्य में अलग-अलग होती है, और बदलते पर्यावरणीय कारकों या बेहतर उत्पादन और खेती के तरीकों के परिणामस्वरूप नए मिलावटखोर पैदा हो सकते हैं। सामान्यतः बाजार में उपलब्ध खाद्य पदार्थों में मिलावट का संशय बना रहता है। दालें, अनाज, दूध, मसाले, घी से लेकर सब्जी व फल तक कोई भी खाद्य पदार्थ मिलावट से अछूता नहीं है। आज मिलावट का सबसे अधिक कुप्रभाव हमारी रोजमर्रा के जीवन में प्रयोग होने वाली जस्तुओं पर ही पड़ रहा है। शरीर के पोषण के लिए हमें खाद्य पदार्थों की प्रतिदिन आवश्यकता होती है। शरीर को स्वस्थ रखने हेतु प्रोटीन, वसा, कार्बोहाइड्रेट, विटामिन तथा खनिज लवण आदि की पर्याप्त मात्रा को आहार में शामिल करना आवश्यक है तथा ये सभी पोषक तत्व संतुलित आहार से ही प्राप्त किये जा सकते हैं। यह तभी संभव है, जब बाजार में मिलने वाली खाद्य सामग्री, दालें, अनाज, दुग्ध उत्पाद, मसाले, तेल इत्यादि मिलावट रहित हों। खाद्य अपमिश्रण से उत्पाद की गुणवत्ता काफी कम हो जाती है। खाद्य पदार्थों में सस्ते रंग इत्यादि की मिलावट करने से उत्पाद तो आकर्षक दिखने लगता है, परंतु पोषकता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है, जिससे ये स्वास्थ्य के लिए हानिकारक होते हैं।

अब से तीन दशक पहले सुनने को मिलता था कि दूध सिंथेटिक हो सकता है। मगर काफी समय से यह यूरिया, अन्य रसायनों आदि के प्रस्ताव के बाद और जाने क्या क्या मिलाकर तैयार किया जा रहा है। पनीर, केमिकल और पानी से और मावा मिल्क पाउडर से तैयार किया जा रहा है। हल्दी, लाल मिर्च, धनियाँ, हींग, जीरा, काली मिर्च, सरसों का तेल, चीरा, काली मिर्च, सरसों का तेल, बर्फाइड तेल इसके अलावा अन्य खाद्य पदार्थों में मिलावट की खबरें आम हो गई हैं, मगर इस पर नजर रखने वाले महकमे शायद तब तक नोट में रहते हैं, जब तक कोई बड़ी घटना सामने नहीं आ जाते है या फिर उसके बारे में लोगों को पता नहीं चल जाता। मुश्किल यह है कि अगर कभी जांच-पड़ताल होती है और जिन दुकानदारों के खाद्य पदार्थों के नमूने फेल होते हैं, उनके मामले निचले स्तर के अधिकारियों या अदालतों में जाते हैं, जहाँ मामूली प्रक्रिया अपनाते के बाद उन्हें और बख्शा दिया जाता है। जबकि केवल नकली मावे को ही देखें तो देश के कुछ इलाकों में यह कुटीर उद्योग का रूप ले चुका है। ऐसे कारोबारियों से केवल जुर्माना लेकर छोड़ देने से अब स्थिति संभलने वाली नहीं है। दरअसल, कड़ी कार्रवाई की जरूरत इसलिए भी है कि मिलावटी खाद्य पदार्थों को खाने की वजह से किसी व्यक्ति को सेहत खराब हो जा सकती है, बल्कि स्थिति बिगड़ने से मौत भी हो सकती है। इसलिए अगर मिलावटखोरों के खिलाफ हत्या के प्रयास से संबंधित कानूनी धारा का इस्तेमाल करने की मांग की जाती है तो इसमें कोई हेरानी बात नहीं है। सामान्य रूप से किसी खाद्य पदार्थ में कोई बाहरी तत्व मिला दिया जाए या उसमें से कोई मूल्यवान पोषक तत्व निकाल लिया जाए या भोज्य पदार्थों को

अनुचित ढंग से संग्रहीत किया जाए तो उसकी गुणवत्ता में कमी आ जाती है। इसलिए उस खाद्य सामग्री या भोज्य पदार्थ को मिलावटयुक्त कहा जाएगा। भारत सरकार द्वारा खाद्य सामग्री की मिलावट की रोकथाम तथा उपभोक्ताओं को शुद्ध आहार उपलब्ध करने के लिए सन् 1954 में खाद्य अपमिश्रण अधिनियम (पीएफए एक्ट 1954) लागू किया गया। उपभोक्ताओं के लिए शुद्ध खाद्य पदार्थों की आपूर्ति सुनिश्चित करना स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की जिम्मेदारी है। इसको ध्यान में रखते हुए उपरोक्त खाद्य अपमिश्रण रोकथाम अधिनियम बनाया गया जिसका मुख्य उद्देश्य जहरिले एवं हानिकारक खाद्य पदार्थों से जनता की रक्षा करना, प्रतियोगिता खाद्य पदार्थों की बिक्री की रोकथाम एवम घोखाघड़ी प्रथा को नष्ट करके उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा करना।

जब से कुछ लोगों ने इस पर गौर करना शुरू किया है, तब से कई हकीकतें उजागर होने लगी हैं। मिलावटखोरों ने ऐसे हालात पैदा कर दिए हैं कि सही माल बेचने वाले दुकानदारों को भी लोग अग शक की नजर से देखने लगे हैं। हालाँकि मिलावटखोर केवल खाद्य पदार्थों में ही नहीं, अन्य सामानों की ओर भी अपने पैर फैला चुके हैं। हैरानी की बात यह है कि जब कभी कोई मामला सामने आता है, उसके बावजूद सरकार इस काम में लगे लोगों के खिलाफ सख्त कदम नहीं उठाती। जबकि जरूरत सख्त कार्रवाई करने की है। यों हमारे आसपास हर रोज दुकानदार से लेकर किसी खाद्य पदार्थ का कारोबार करने वाले लोगों को मिलावटी सामान बेचने में जरा भी हिचक नहीं होती कि इसका इस्तेमाल करने वाले लोगों की सेहत पर इसका क्या अवश्य पड़ेगा!

मसलाने, रोजमर्रा के इस्तेमाल में आने वाले दूध की गुणवत्ता को लेकर अबसर खबरें आती रहती हैं कि इसके सेवन से घातक रोग हो सकते हैं। अचल तो इसे लेकर प्रशासन गंभीर नहीं होता और जब कभी संबंधित महकमों के लोग मिलावट की गतिविधियों में लगे लोगों को पकड़ते हैं, तब भी कोई बड़ी और याद रखने वाली कार्रवाई नहीं होती। फिर कुछ दिनों बाद ऐसा धंधा करने वाले कारोबारी बेफिक्र अपना कारोबार चलाते रहते हैं। किसी पर्व-त्योहार के मौके पर बाजार में खुले तौर पर मिलावटी सामान बिकते रहते हैं, मगर कोई ऐसा तंत्र नहीं दिखाता जो इन पर लागू लगा सके। कभी शिकायत होने पर या औचक निरीक्षण में ऐसे लोग पकड़े भी जाते हैं तो कार्रवाई किसी टोस अंजाम तक नहीं पहुँचता, ताकि अन्य लोग मिलावटी खाद्य पदार्थ न बेचें। एक ओर खाद्य पदार्थों में मिलावट कई बार सेहत पर गहरा जोखिम पैदा करता है, दूसरी ओर खाद से लेकर आम उपयोग के ज्यादातर सामानों के नकली संस्करण बाजार में मौजूद होते हैं। अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि नवजात शिशु दूध पी खाद्य पदार्थ पी रहा है, इसकी कोई गारंटी नहीं है।

व्यापारी वर्ग की भी जिम्मेदारी है कि वे उपभोक्ताओं के जीवन का खयाल रखने के लिए शुद्ध सामग्री की बिक्री करें। मिलावटखोरों के खिलाफ अगर खुद कारोबारियों की ओर से ही आवाज उठाएगी, तब लोगों का परोसा भी बाजार पर बढ़ेगा। अगर कारोबार-जगत से इस मसले पर सहयोग मिलता है और वे मिलावट के विषय टोस जमीन तैयार करा पाते हैं, तो यह एक अच्छी बात होगी।

—अविनाश जोशी,
स्वतंत्र पत्रकार एवं लेखक।

शिल्पग्राम महोत्सव शुरू, दस दिन तक शिल्प व कला की धूम रहेगी

उदयपुर, (निःसं)। राज्यपाल हरिभाऊ किशनराव बागडे ने कहा कि लोक कलाएँ जीवन का उजास और सामूहिक चेतना हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति की जड़ें इतनी गहरी हैं कि उसे कोई मिटा नहीं सकता। उन्होंने महाराणा प्रताप को याद करते हुए कहा कि इस वीर सपूत ने मेवाड़ की भूमि को स्पर्श कर इसे वंदनीय बना दिया। महाराणा प्रताप ने हमारी संस्कृति को मिटाने आए मुगलों को सफल नहीं होने दिया। राज्यपाल शनिवार शाम केंद्रीय संस्कृति मंत्रालय के तत्ववधान में हवाला रानी रोड स्थित शिल्पग्राम में परिष्करण क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र, उदयपुर द्वारा आयोजित विश्व प्रसिद्ध शिल्पग्राम महोत्सव के उद्घाटन समारोह को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे।

मुक्तकाली मंच पर आयोजित इस समारोह में उन्होंने परंपरागुनार नगाड़ा बजाकर महोत्सव का शुभारंभ किया। इससे पूर्व उन्होंने अन्य अतिथियों के साथ दीप प्रज्वलन किया। समारोह में विशिष्ट अतिथि सांसद मन्नालाल रावत तथा विधायक फूलसिंह मीणा भी मौजूद रहे। परिष्करण क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र, उदयपुर के निदेशक फुरकान खान अतिथियों का स्वागत किया और



राज्यपाल हरिभाऊ किशनराव बागडे ने उदयपुर में शिल्पग्राम महोत्सव की नगाड़ा बजाकर शुरूआत की।

शिल्पग्राम महोत्सव के संबंध में जानकारी दी। राज्यपाल बागडे ने कहा कि शिल्पग्राम एक ऐसा स्थल है, जो देश के विभिन्न प्रांतों की लोक संस्कृति को एक सूत्र में पिरोता है। इसके साथ ही 10 दिन यानी 30 दिसंबर तक “लोक के रंग-लोक के संग” थीम पर आधारित शिल्पग्राम महोत्सव के लोकंरजक कार्यक्रमों का आगाज हो

गया। उत्सव मेवाड़-प्रदेश-देश-विदेश के लोक कला एवं संस्कृति प्रेमियों के भरपूर मनोरंजन के साथ ही लोक संस्कृतियों के विषय में ज्ञानार्जन भी करेगा। समारोह के अंश में राज्यपाल बागडे ने संविधान की प्रस्तावना का वाचन किया और शिल्पग्राम परिसर का अवलोकन किया। गवर्नर सहित सभी अतिथियों ने लोक संस्कृति से ओतप्रोत

गया। उत्सव मेवाड़-प्रदेश-देश-विदेश के लोक कला एवं संस्कृति प्रेमियों के भरपूर मनोरंजन के साथ ही लोक संस्कृतियों के विषय में ज्ञानार्जन भी करेगा। समारोह के अंश में राज्यपाल बागडे ने संविधान की प्रस्तावना का वाचन किया और शिल्पग्राम परिसर का अवलोकन किया। गवर्नर सहित सभी अतिथियों ने लोक संस्कृति से ओतप्रोत

गया। उत्सव मेवाड़-प्रदेश-देश-विदेश के लोक कला एवं संस्कृति प्रेमियों के भरपूर मनोरंजन के साथ ही लोक संस्कृतियों के विषय में ज्ञानार्जन भी करेगा। समारोह के अंश में राज्यपाल बागडे ने संविधान की प्रस्तावना का वाचन किया और शिल्पग्राम परिसर का अवलोकन किया। गवर्नर सहित सभी अतिथियों ने लोक संस्कृति से ओतप्रोत

चूरु में सीजन का पहला घना कोहरा छाया

चूरु, (निःसं)। अंचल में कड़ाके की ठंड का शीमन लगाता जारी है। क्षेत्र में शनिवार को इस सीजन का पहला घना कोहरा छाया।

कोहरे के कारण लोगों की दैनिक दिनचर्या भी काफी प्रभावित हुई। शनिवार को न्यूनतम तापमान में 0.2

डिग्री की गिरावट हुई। सुबह के समय सड़कों पर चलने वाले वाहन ड्राइवरों को हेडलाइट जलाकर गाड़ियाँ चलानी पड़ी। सर्दी से राहत पाने के लिए लोगों ने अलाव का सहारा लिया। सुबह के समय परीक्षा देने जाने वाले विद्यार्थियों को भी सर्दी से काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा।

चलते चाय की दुकान पर लोगों की काफी भीड़ रही। सर्दी बढ़ने से अस्पतालों में भी सर्दी जुकाम और अस्थमा के मरीजों की संख्या बढ़ने लगी है। मौसम विभाग के अनुसार शनिवार को न्यूनतम तापमान 6.7 डिग्री दर्ज किया गया है।

राशिफल रविवार 22 दिसम्बर, 2024

पौष मास, कृष्ण पक्ष, सप्तमी तिथि, रविवार, विक्रम संवत् 2081, उत्तरा फाल्गुनी नक्षत्र सोमवार प्रातः 9:09 तक, आयुष्मान योग सायं 7:00 तक, बव करण दिन 2:32 तक, चन्द्रमा दिन 12:56 से कन्या राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-धनु, चन्द्रमा-सिंह, मंगल-कर्क, बुध-वृश्चिक, गुरू-वृष, शुक्र-मकर, शनि-कुम्भ, राहु-मौन, केतु-कन्या राशि में। आज सर्वाथि सिद्धि योग सूर्योदय से सम्पूर्ण दिन-रात रहेगा। त्रिपुष्कर योग दिन 2:32 तक है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर 8:33 से 9:51 तक, लाभ-अमृत 9:51 से 12:25 तक, शुभ 1:42 से 3:00 तक। राहूकाल: 4:30 से 6:00 तक। सूर्योदय 7:16, सूर्यास्त 5:34

मेघ	सिंह	धनु
अपने अति आवश्यक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। आवश्यक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बने लेंगे। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है।	मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मन:स्थिति में सुधार होगा। आवश्यक कार्यों को प्राथमिकता से करें। कार्य शीघ्रता/सुगमता से बने लेंगे।	नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आशवासन प्राप्त होगा। अटकते हुए कार्य बने लेंगे। धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं। दिन के मध्याह्न परचात आवश्यक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बने लेंगे।
वृष	कन्या	मकर
घर-परिवार में अतिथियों का आमनन रहेगा। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। शुभ कार्य के लिए यात्रा संभव है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।	आर्थिक मामलों में परेशानी हो सकती है। धन हानि का भय है। मन में असंतोष बना रहेगा। अनावश्यक धन खर्च होगा। दिन के मध्याह्न परचात मानसिक तनाव से राहत मिलेगी।	चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं। आवश्यक कार्यों में विचयन हो सकता है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। यात्रा टालना ठीक रहेगा।
मिथुन	तुला	कुंभ
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। आज नये-पुराने मित्रों से मुलाकात हो सकती है। मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं।	आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। आवश्यक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बने लेंगे। दिन के मध्याह्न परचात आवश्यक कार्य के लिए बाहर जाना पड़ सकता है।	परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। दिन के मध्याह्न परचात अष्टम चक्र शुभ नहीं है।
कर्क	वृश्चिक	मीन
आर्थिक कारणों से अटक हुए कार्य बने लेंगे। अटक हुआ धन प्राप्त होगा। आवश्यक कार्यों में परचात बनी रहेगी। दिन के मध्याह्न परचात सुसंदेश प्राप्त होंगे।	अटक हुए कार्य शीघ्रता/सुगमता से बने लेंगे। नवीन कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। चलते कार्यों में प्रगति होगी। अटक हुआ धन प्राप्त होगा।	स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। दिन के मध्याह्न परचात परिवार में मनोजन के कार्यक्रम बन सकते हैं।



मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग (वी.सी.) के माध्यम से जिला कलेक्टरों की एक बैठक ली। जिसमें बजट घोषणा के विकास कार्यों के लिए भू-आवंटन के प्रकरणों के निस्तारण में तेजी लाने के निर्देश दिए।

‘दुर्घटना संभावित स्थानों को चिन्हित कर शीघ्र सुधारें’

मुख्यमंत्री भजनलाल ने कलेक्टरों को वी.सी. से भू आवंटन प्रकरण 31 दिसम्बर तक निपटाने के निर्देश दिये

जयपुर, 21 दिसम्बर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि वाहन दुर्घटनाओं पर प्रभावी नियंत्रण के लिए सड़कों के दुर्घटना संभावित स्थानों को चिन्हित कर इनका शीघ्र सुधार किया जाना आवश्यक है। सभी जिलों में ब्लैक स्पॉट्स को ठीक करने के लिए विशेष अभियान चलाया जाएगा। उन्होंने निर्देश दिए कि सड़क निर्माण और मरम्मत के कार्यों में निर्धारित मानकों का पालन किया जाए। साथ ही, सभी जिलों में परिवहन विभाग के उड़नदस्ते, अनफिट एवं बिना परमिट के वाहनों तथा ओवरलोडेड वाहनों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करें। इसके अलावा, यातायात नियमों एवं सड़क सुरक्षा के लिए विशेष रूप से जागरूकता अभियान भी चलाया जाए।

मुख्यमंत्री शर्मा शनिवार को मुख्यमंत्री निवास पर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग (वी.सी.) के माध्यम से जिला कलेक्टरों के साथ आयोजित बैठक में लंबित भू-आवंटन प्रकरणों की विस्तृत समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने बजट घोषणा की अनुपालना में स्पॉट्स कॉलेज, रोडवेज बस स्टैंड, जीएसएस एवं ठोस कचरा प्रबंधन के लिए प्रोसेसिंग प्लॉट एवं मैटेरियल रिकवरी फैसिलिटी सेंटर, औद्योगिक पार्क इत्यादि विकास कार्यों के लिए भू-आवंटन के प्रकरणों के निस्तारण में तेजी लाने के निर्देश दिए। साथ ही, उन्होंने सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के अन्तर्गत, ब्लॉक कार्यालय

वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिये सभी जिला कलेक्टरों को मुख्यमंत्री ने निर्देश दिये कि राइजिंग राजस्थान समिट में हुए एम.ओ.यू. को धरातल पर उतारने के लिये संबंधित विभागों के साथ समन्वय बना कर काम करें।

एवं जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के नवीन सहायक अभियंता कार्यालय के लिए भू-आवंटन की भी समीक्षा की। शर्मा ने कहा कि बजट घोषणा की अनुपालना में जयपुर में विकसित की जाने वाली हाईटेक सिटी राज्य सरकार का ड्रीम प्रोजेक्ट है। इस संबंध में उद्योग विभाग, राजस्व विभाग एवं जिला प्रशासन की संयुक्त टीम बनाकर कार्यवाही की जाए। इसके तहत, विशेष

रूप से सड़क कनेक्टिविटी, पानी-बिजली सहित आधारभूत सुविधाओं का विशेष ध्यान रखा जाए। बैठक में मुख्य सचिव सुधांशु पंत, अतिरिक्त मुख्य सचिव वन एवं पर्यावरण अर्पणा अरोड़ा, अतिरिक्त मुख्य सचिव (मुख्यमंत्री कार्यालय) शिखर अग्रवाल, अतिरिक्त मुख्य सचिव सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता कुलदीप रांका, प्रमुख

सचिव (मुख्यमंत्री कार्यालय) आलोक गुप्ता सहित, विभिन्न विभागों के प्रमुख शासन सचिव, शासन सचिव उपस्थित रहे एवं समस्त जिला कलेक्टरों वीसी के माध्यम से जुड़े।

मुख्यमंत्री ने बजट घोषणाओं से संबंधित भू-आवंटन के शेष प्रकरणों का त्वरित निष्पादन करने के निर्देश दिए। उन्होंने 31 दिसम्बर तक की अवधि में प्रकरणों के भूमि चिन्हीकरण तथा चिन्हित भूमि के प्रस्ताव संबंधित विभाग को भिजवाने एवं भूमि आवंटन की प्रक्रिया को पूरा करने के निर्देश दिए। शर्मा ने कहा कि इन कार्यों में किसी भी स्तर पर कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

‘24 दिसम्बर को देश भर में...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

आगे वाले कार्यकर्ता बाबा साहेब की बड़ी तस्वीर लिये हुये होंगे तथा अन्य कार्यकर्ताओं के हाथों में बड़ी-बड़ी तस्वीरें होंगी, जिन पर पार्टी की मॉर्ग अंकित होंगी। उन्होंने कहा, "26-27 दिसम्बर को, हम 'एक्सपेन्डेड सी.डब्ल्यू.सी. सैशन तथा बेलागवी में एक विशाल रैली आयोजित करेंगे, जहाँ हम डॉ. अम्बेडकर तथा उनके आदर्शों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराएंगे।"

इस सम्बंध में, सभी प्रदेश कांग्रेस कमेटियों को जारी किये गये एक सर्कुलर में, वेणुगोपाल ने लिखा, "इन

सभी कार्यों का उद्देश्य डॉ. अम्बेडकर की विरासत की रक्षा करने की अपनी प्रतिबद्धता को फिर से दृढ़तापूर्वक दोहराना है, जो राष्ट्र के न्याय एवं समानता के प्रकाश स्तम्भ हैं। आपसे अनुरोध है कि इन सभी गतिविधियों का प्रभावी तरीके से समन्वय करें तथा पार्टी नेताओं, कार्यकर्ताओं और जनता की अधिक से अधिक भागीदारी सुनिश्चित करें। सभी प्रदेश कांग्रेस कमेटियों के अनुरोध है कि वे आयोजित मार्च की विस्तृत रिपोर्ट पेश करें।" उल्लेखनीय है कि संविधान के अंगीकरण को 75वाँ वर्षगांठ मनाने के लिये राज्यसभा में हुई

एक बहस में जवाब देते हुये, शाह ने मंगलवार को कांग्रेस पर प्रहार करते हुये कहा था, "अम्बेडकर अम्बेडकर कहने का फैशन हो गया है। अगर उन्होंने इतनी बार भगवान का नाम लिया होता, तो उन्हें स्वर्ग में जगह मिल गई होती।" कांग्रेस और समाजवादी पार्टी, बाबासाहेब अम्बेडकर पर शाह की टिप्पणी को लेकर, शाह के खिलाफ पहले ही विरोध जता चुकी है। इस बयान के संबंध में, विपक्ष ने संसद से सड़क तक जबरदस्त प्रदर्शन किया था। लेकिन, बाद में अमित शाह ने कहा था कि उनके बयान को तोड़-मरोड़ कर प्रस्तुत किया गया है।

‘वाहनों के अवधि पार...

(प्रथम पृष्ठ का शेष) अधिसूचना जारी की थी। इसके तहत, वाहन के फिटनेस प्रमाण पत्र की अवधि बीतने के बाद नवीनीकरण करने पर प्रतिदिन पचास रुपए की अतिरिक्त फीस वसूलना का प्रावधान किया गया था। यह प्रावधान मोटर अधिनियम के प्रावधानों के खिलाफ है, क्योंकि अधिनियम में फिटनेस का कोई प्रावधान नहीं है, जबकि सरकार अतिरिक्त फीस के नाम पर फिटनेस वसूल रही है।

अधिनियम के तहत शुल्क लगाया जा सकता है, लेकिन फिटनेस प्रमाण पत्र के नवीनीकरण में देरी के आधार पर अतिरिक्त फीस नहीं वसूली जा सकती। ऐसे में इस प्रावधान को रद्द किया जाए। इसका विरोध करते हुए

केन्द्र सरकार की ओर से एएसजी आरडी रस्तोगी व राज्य सरकार की ओर से एएसएस नरुका ने कहा कि अधिनियम के तहत उन्हें फिटनेस, लाइसेंस और परमिट आदि के लिए शुल्क लगाने की शक्ति है।

अवधि पार परमिट के नवीनीकरण के लिए वसूला गया अतिरिक्त शुल्क, शुल्क संचयन का ही हिस्सा है। अधिनियम के तहत पूरी तरह से फिट वाहन ही रोड पर चल सकते हैं। ऐसे में सरकार को अतिरिक्त लेवी लगाने का अधिकार है। दोनों पक्षों को बहस सुनने के बाद अदालत ने अवधि पार प्रमाण पत्रों के नवीनीकरण के लिए प्रतिदिन के हिसाब से अतिरिक्त फीस वसूलने को अवैध माना है।

ई.डी. को केजरीवाल पर मुकदमा चलाने की अनुमति मिली

नई दिल्ली, 21 दिसंबर। दिल्ली में विधानसभा चुनाव से पहले पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल एक बार फिर मुसोबत में फंसने वाले हैं। उपराज्यपाल अरविंद केजरीवाल ने आबकारी नीति मामले में अरविंद केजरीवाल के खिलाफ मुकदमा चलाने के लिए प्रवर्तन निदेशालय (ई.डी.) को मंजूरी दे दी है। यह जानकारी उपराज्यपाल के कार्यालय की ओर से दी गई है।

5 दिसंबर को प्रवर्तन निदेशालय ने अरविंद केजरीवाल के खिलाफ मुकदमा चलाने की मंजूरी मांगी थी। अब जाकर

दिल्ली के उपराज्यपाल ने आबकारी नीति मामले में केजरीवाल पर मुकदमा चलाने की अनुमति दी।

उपराज्यपाल ने ईडी को आबकारी नीति मामले में केजरीवाल के खिलाफ मुकदमा चलाने के लिए प्रवर्तन निदेशालय (ई.डी.) को मंजूरी दे दी है। यह जानकारी उपराज्यपाल के कार्यालय की ओर से दी गई है।

इस बीच, दिल्ली हाई कोर्ट ने शुक्रवार को प्रवर्तन निदेशालय को अरविंद केजरीवाल और मनीष सिसोदिया द्वारा दायर याचिका पर

‘भाजपा का बिजली, पानी, शिक्षा, चिकित्सा से कोई मतलब नहीं’

सचिन पायलट ने बहरोड़ के पास किसान सम्मेलन में भंवर जितेन्द्र व जूली के साथ भाग लिया

बहरोड़, 21 दिसम्बर। राजस्थान के पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट ने कहा कि गुहमंत्रों ने अभी जो संसद भवन में भाषण दिया था, उनके पेट की बात मुंह पर आ गई। पायलट ने जनता से कहा कि बनाने वाले भी आप हो, गिराने वाले भी आप हो।

पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट बहरोड़ के गांव पहाड़ी की शुक्ल की ढाणी में किसान सम्मेलन में उपस्थित जन समूह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सत्ताधारी विधायक जन समूह को संबोधित कर रहे हैं। चार-पांच घंटे बिजली आती है और बात करते हैं चार लाख रोजगार देंगे, 24 घंटे बिजली देंगे, 10 साल से आप देश में सरकार चला रहे हो, 12 महीने आपको हो गए। कितने बच्चों को नौकरी दे पाए हैं। आप पछो, कभी फलों मस्जिद को खोदते हैं, उससे मन्दिर निकल जाएगा। भाजपा दुनिया का ध्यान भटकाने के लिए, मंदिर- मस्जिद, हिंदू- मुसलमान, हिंदुस्तान- पाकिस्तान, यहाँ तक सीमित है। बिजली, पानी, शिक्षा,

बहरोड़ के गांव पहाड़ी में शुक्ला की ढाणी में स्वर्गीय बीरबल बोहरा व स्वर्गीय छिमली देवी की मूर्ति का अनावरण हुआ। साथ ही स्कूल में बरामदा का उद्घाटन समारोह भी हुआ।

चिकित्सा से कोई मतलब नहीं है। पायलट ने पूर्व केन्द्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह को मंच से कहा, कांग्रेस पार्टी सत्ता में नहीं है। आज राजस्थान में विपक्ष में है हम लोग। मोदी, अमित शाह दिल्ली से और यहां भजनलाल जी, वसुंधरा जी, सब कोई ताकत लगा रहे हैं। इन लोगों को अगर खिसकाना है 4 साल बाद, तो हम लोगों को मिलकर बहुत घूमना पड़ेगा। कार्यकर्ताओं को ऊर्जा देनी पड़ेगी। वे देखते हैं, जब नेता ही भागदौड़ नहीं कर रहे, तो हम क्यों करें। आप और हम मिलकर पूरे प्रदेश में जाकर कार्यकर्ताओं को ताकत दें, हिम्मत बंधाएं।

शनिवार को बहरोड़ के पहाड़ी, शुक्ला की ढाणी में स्वर्गीय बीरबल बोहरा एवं स्वर्गीय छिमली देवी की मूर्ति के अनावरण समारोह तथा स्कूल

में कमरा -बरामदा उद्घाटन एवं किसान सम्मेलन में शामिल हुए नेता प्रतिपक्ष टीकराम जूली ने जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि माता-पिता की प्रतिमा लगाना बच्चों का सौभाग्य है, आज के युग में जहां भाई-भाई का दुश्मन हो रहा है, ऐसे समय में ऐसे नेक कार्य समाज को नया संदेश देने और संस्कारों को जिंदा रखने तथा आने वाले पीढ़ियों को सिखाने का काम करेंगे।

पूर्व केन्द्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह जनसमूह को संबोधित करते हुए बोले, उन्होंने रातोंरात तीन काले कानून बनाकर देश के किसानों की पीठ में छुरा घोंपने का काम किया लेकिन अन्नदाता की आवाज और अपने अधिकारों के लिए उनकी लड़ाई ने देश की राजधानी दिल्ली को छावनी में

तब्दील कर दिया और सरकार को चुटने के बल ला दिया।

उन्होंने कहा कि यह सरकार गरीब और काशतकारों को बांटने के लिए बनी है, इस सरकार को अडानी और अंबानी चला रहे हैं। देश के पीएम हाथ जोड़कर उनके सामने खड़े होते हैं। उन्होंने कहा कि आज किसान को खाद -बीज नहीं मिल रहा, यह सरकार किसान का खून पीना चाहती है। उन्होंने स्वर्गीय राजेश पायलट को याद करते हुए कहा कि किसानों की लड़ाई में उनकी भूमिका को सदैव याद किया जाएगा।

इस अवसर पर पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट, जिला अध्यक्ष योगेश मिश्रा, पूर्व मंत्री शकुंतला रावत, विधायक ललित यादव, कांति प्रसाद मीणा, मांगीलाल मीणा, अजीत यादव, संजय यादव, आर्यन जुबेर खान, इमरान खान, रामफल गुर्जर, संजोब बरोट, हरिशंकर रावत, विश्राम गुर्जर, बलराम यादव, गफूर खान, रोहितारा चौधरी सहित, गणमान्य लोग उपस्थित थे।



पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट ने बहरोड़ के गांव पहाड़ी की शुक्ल की ढाणी में किसान सम्मेलन को संबोधित किया। उन्होंने कहा, भाजपा ध्यान भटकाने के लिए, मंदिर- मस्जिद, हिंदू- मुसलमान, हिंदुस्तान- पाकिस्तान की बात करती है। बिजली, पानी, शिक्षा, चिकित्सा से कोई मतलब नहीं है।

संसद में धक्का-मुक्की पर 7 सदस्यीय एस.आई.टी. का गठन

नई दिल्ली, 21 दिसंबर। संसद में हुए धक्का-मुक्की मामले की जांच अब गति पकड़ने लगी है। इस मामले को पार्लियामेंट स्ट्रीट पुलिस स्टेशन से दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच को ट्रांसफर कर दिया गया है। इसकी जांच अब क्राइम ब्रांच की चाणक्यपुरी स्थित आई.एस.सी. यूनिट करेगी।

यह मामला संसद परिसर में सांसदों के बीच धक्का-मुक्की का है जिसमें बीजेपी के दो सांसद, प्रताप सारंगी और मुकेश राजपुरी घायल हो गए थे। दोनों का इलाज आरएमएल अस्पताल में चल रहा है।

ऐसे में मामले की संजीवनी और गंभीरता को देखते हुए शुक्रवार रात क्राइम ब्रांच की एक एसआईटी टीम का गठन किया गया है।

क्राइम ब्रांच को इस एसआईटी की टीम में 2 एसपी, 2 इंसपेक्टर और 3 सब इंसपेक्टर होंगे शामिल जो सीधे डीसीपी को रिपोर्ट करेंगे। कहा जा रहा है कि इस मामले की जांच में 2 एसपी को एसआईटी में इसलिए शामिल किया गया है कि क्योंकि मामला पोलिटिकली हाई प्रोफाइल है।

इस प्रकरण में भाजपा के दो सांसद घायल हो गये थे। मामला दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच को ट्रांसफर कर दिया। क्राइम ब्रांच ने जाँच के लिये 7 सदस्यों की एस.आई.टी. का गठन किया।

अमूमन देखा गया है कि पॉलिटेक्निक हाई प्रोफाइल मामले हेमेशा दिल्ली पुलिस को आई.एस.सी. क्राइम ब्रांच यूनिट को ही जांच के लिए ट्रांसफर किया जाता है। सूत्रों के

अनुसार, पार्लियामेंट एडमिनिस्ट्रेशन को सीसीटीवी फुटेज के लिए लेटर लिखा जाएगा, क्योंकि, घटना से जुड़ी जांच के लिए सीसीटीवी फुटेज काफ़ी मायने रखती है।

एल.पी.जी. टैंकर...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

तथा उन सभी पीड़ितों के परिवार के सदस्यों को पर्याप्त मुआवजा राशि दी जाए, जिनके वाहन व संपत्ति का इस अगिनकांड में नुकसान हुआ है। अदालत ने मुद्दा है कि ब्लैक स्पॉट एवं खतरनाक यू-टर्न की पहचान और हाईवे पर इन खतरों के लिए चेतावनी बोर्ड लगाने के लिए क्या किया जा रहा है, ताकि मानव जीवन व सभी जीवों की सुरक्षा की जा सके। अदालत ने कहा

कि यदि सरकार सड़क सुरक्षा के लिए उचित सावधानी बरती तो ऐसी घटना से बचा जा सकता था। हर साल हजारों लोग सड़कों, यू-टर्न और ब्लैक स्पॉट को पार करते समय मर जाते हैं। इसके साथ ही, अदालत ने मामले में हाईकोर्ट बार एसोसिएशन जयपुर के अध्यक्ष महेंद्र शांडिल्य, राज्य के महाधिवक्ता राजेश प्रसाद, एएसजी आरडी रस्तोगी व अधिवक्ता संदीप पाठक को भी सहयोग करने के लिए कहा है।

दिल्ली-एन.सी.आर. में हल्की वर्षा का अनुमान

नई दिल्ली, 21 दिसंबर। पहाड़ों में बर्फबारी हो रही है। हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और जम्मू-कश्मीर के ऊंचाई वाले क्षेत्रों में तापमान माइनस के नीचे पहुंच रहा है। पहाड़ों में बर्फबारी के साथ ही मैदानी इलाकों में कड़ाके की ठंड पड़ रही है। अगले 48 घंटों में दिल्ली-एनसीआर का मौसम बदलने वाला है।

हिमाचल, कश्मीर, उत्तराखंड में बर्फ गिरने से सर्दी बढ़ी।

दिल्ली-एनसीआर, उत्तर प्रदेश समेत कई राज्यों में बारिश का अनुमान है। अभी दिल्ली-एनसीआर में सुबह और शाम के समय तापमान में गिरावट देखी जा रही है। दिन में धूप रहने के कारण लोगों को थोड़ी ठंड से राहत मिलती है। वहीं, दो दिन बाद दिल्ली के तापमान में गिरावट आएगी और ठंड भी बढ़ जाएगी। मौसम विभाग के अनुसार, दिल्ली में शनिवार को औसत न्यूनतम तापमान 6 डिग्री दर्ज किया गया। रविवार को न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस और अधिकतम तापमान 22 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है।

अनपैक्ड पॉपकॉर्न पर 5, ब्रैण्डेड पर 12 प्रतिशत जी.एस.टी.

वित्त मंत्री की अध्यक्षता में जी.एस.टी. काउन्सिल ने 45 वस्तुओं पर टैक्स दर कमी

जैसलमेर, 21 दिसम्बर (नि.सं.)। केन्द्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने प्रेस से रूबरू होकर बताया कि जी.एस.टी. परिषद की 55 वीं बैठक में तय किया गया है कि अनपैक्ड पॉपकॉर्न पर 5 प्रतिशत जीएसटी लगेगा, लेबल वाले और ब्रैंडेड पॉपकॉर्न पर 12 प्रतिशत टैक्स लगेगा, जबकि कैरमल युक्त पॉपकॉर्न को 18 प्रतिशत के टैक्स स्लैब में रखा गया है।

उन्होंने बताया कि जी.एस.टी. परिषद ने 1904 के तहत वर्गीकृत फोर्टिफाइड राइस कर्नेल (एफ.आर.के.) पर जी.एस.टी. दर को घटाकर 5 प्रतिशत करने की सिफारिश की। जी.एस.टी. परिषद ने जीन थैरेपी पर भी जीएसटी से पूरी छूट देने की सिफारिश की। मोटर वाहन दुर्घटना निधि के लिए तीसरे पक्ष के

जैसलमेर, 21 दिसम्बर (नि.सं.)। केन्द्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने प्रेस से रूबरू होकर बताया कि जी.एस.टी. परिषद की 55 वीं बैठक में तय किया गया है कि अनपैक्ड पॉपकॉर्न पर 5 प्रतिशत जीएसटी लगेगा, लेबल वाले और ब्रैंडेड पॉपकॉर्न पर 12 प्रतिशत टैक्स लगेगा, जबकि कैरमल युक्त पॉपकॉर्न को 18 प्रतिशत के टैक्स स्लैब में रखा गया है।

उन्होंने बताया कि जी.एस.टी. परिषद ने 1904 के तहत वर्गीकृत फोर्टिफाइड राइस कर्नेल (एफ.आर.के.) पर जी.एस.टी. दर को घटाकर 5 प्रतिशत करने की सिफारिश की। जी.एस.टी. परिषद ने जीन थैरेपी पर भी जीएसटी से पूरी छूट देने की सिफारिश की। मोटर वाहन दुर्घटना निधि के लिए तीसरे पक्ष के

जैसलमेर, 21 दिसम्बर (नि.सं.)। केन्द्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने प्रेस से रूबरू होकर बताया कि जी.एस.टी. परिषद की 55 वीं बैठक में तय किया गया है कि अनपैक्ड पॉपकॉर्न पर 5 प्रतिशत जीएसटी लगेगा, लेबल वाले और ब्रैंडेड पॉपकॉर्न पर 12 प्रतिशत टैक्स लगेगा, जबकि कैरमल युक्त पॉपकॉर्न को 18 प्रतिशत के टैक्स स्लैब में रखा गया है।

उन्होंने बताया कि जी.एस.टी. परिषद ने 1904 के तहत वर्गीकृत फोर्टिफाइड राइस कर्नेल (एफ.आर.के.) पर जी.एस.टी. दर को घटाकर 5 प्रतिशत करने की सिफारिश की। जी.एस.टी. परिषद ने जीन थैरेपी पर भी जीएसटी से पूरी छूट देने की सिफारिश की। मोटर वाहन दुर्घटना निधि के लिए तीसरे पक्ष के

जैसलमेर, 21 दिसम्बर (नि.सं.)। केन्द्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने प्रेस से रूबरू होकर बताया कि जी.एस.टी. परिषद की 55 वीं बैठक में तय किया गया है कि अनपैक्ड पॉपकॉर्न पर 5 प्रतिशत जीएसटी लगेगा, लेबल वाले और ब्रैंडेड पॉपकॉर्न पर 12 प्रतिशत टैक्स लगेगा, जबकि कैरमल युक्त पॉपकॉर्न को 18 प्रतिशत के टैक्स स्लैब में रखा गया है।

उन्होंने बताया कि जी.एस.टी. परिषद ने 1904 के तहत वर्गीकृत फोर्टिफाइड राइस कर्नेल (एफ.आर.के.) पर जी.एस.टी. दर को घटाकर 5 प्रतिशत करने की सिफारिश की। जी.एस.टी. परिषद ने जीन थैरेपी पर भी जीएसटी से पूरी छूट देने की सिफारिश की। मोटर वाहन दुर्घटना निधि के लिए तीसरे पक्ष के

दो सौ रुपये टोल मांगने पर तस्करों ने टोलकर्मियों पर फायरिंग की

तस्करों ने बिना टोल दिए 120 किमी की रफ्तार में ट्रक को दौड़ा दिया

पाली, (निसं)। टोल देने की बात पर शनिवार को जाडन टोल नाके पर ट्रक चालक और टोलकर्मियों में विवाद हो गया। विवाद इतना बढ़ा कि नशे में धुत ट्रक चालक ने टोलकर्मियों पर पिस्टल से फायरिंग कर दी। फिर बिना टोल दिए 120 किमी की रफ्तार में ट्रक को दौड़ा दिया।

सूचना पर पुलिस पीछे लगी तो ट्रक चालक ने स्पीड बढ़ा दी। रास्ते में एक बस और आइसक्रीम के ठेले को टक्कर मारकर ट्रक चालक गाड़ी को जोधपुर बाइपास पर ले गए। बेकाबू ट्रक सड़क किनारे करीब पांच फीट का नाला पार कर झाड़ियों में फंस गया। पुलिस ने ट्रक सवार दोनों घायल युवकों को पकड़ लिया। इस दौरान जब ट्रक की तलाशी ली गई तो इसमें डोडा-पोस्ट भरा हुआ था। मौके पर सीओ ग्रामीण रतनाराम देवासी, सदर थाना प्रभारी अनिल कुमार जाते के साथ मौके पर पहुंचे। घटना का एक सीसीटीवी वीडियो भी सामने आया है, जिसमें ट्रक सवार दोनों युवक टोलकर्मियों पर फायरिंग करते हुए दिखाई दे रहे हैं।

200 रुपये के टोल पर हुआ



ट्रक चालक ने गाड़ी से रास्ते में एक बस और ठेले को टक्कर मार दी।

था विवाद :- पुलिस की प्रारंभिक जानकारी में सामने आया कि दोनों आरोपी ट्रक लेकर जोधपुर सोजत से पाली की ओर जा रहे थे। इसी दौरान जाडन टोल नाके पर टोलकर्मियों से 200 रुपये के टोल पर विवाद हो गया। ट्रक सवार दोनों युवकों ने केबिन से टोलकर्मियों पर फायरिंग कर दी और बिना टोल दिए रवाना हो गए। हादसे में ट्रक सवार महेंद्र पुत्र बाबूलाल निवासी झ्वर (जोधपुर) और मोगड़ा (जोधपुर) निवासी राकेश

पुत्र कालुराम धायल हो गए। पुलिस के अनुसार आरोपियों ने पुलिस को देखकर रफ्तार तेज कर दी। इस दौरान ट्रक करीब 120 किमी की रफ्तार से हाईवे पर दौड़ रहा था। इससे हाईवे पर अन्य वाहन चालकों में दहशत फैल गई। ट्रक ने पीछा कर रही पुलिस को बोलेरो को भी काफ़ी पीछे छोड़ दिया था, लेकिन रफ्तार अधिक होने से ट्रक अस्थिर हो गया, जिससे वह बस और एक ठेले वाले को टक्कर मारने के बाद पुनः वाहन

क्षेत्र में सड़क से नीचे उतरा और करीब पांच फीट चौड़े नाले को पार कर खाई व झाड़ियों में जाकर फंस गया। इसके बाद दोनों युवकों को पुलिस टीम ने बाहर निकाला। फिलहाल दोनों घायल युवकों का बांगड़ हॉस्पिटल में इलाज जारी है। पुलिस ने मामले में डोडा-पोस्ट को लेकर जांच शुरू कर दी है। साथ ही ट्रक के परमिट को लेकर भी पूछताछ की जा रही है।

चश्मदीद क्षतिग्रस्त हुए ट्रक

■ बेकाबू ट्रक सड़क किनारे करीब पांच फीट का नाला पार कर झाड़ियों में फंस गया

■ पुलिस ने ट्रक सवार दो घायल युवकों को पकड़ा, ट्रक में डोडा-पोस्ट भरा हुआ मिला

चालक ने बताया कि तेज स्पीड में एक ट्रक मंडिया बाइपास से रूपवास रोड की तरह आ रहा था। इसी दौरान सवारियों से भरी बस आ रही थी, तो ट्रक चालक ने पहले यहाँ खड़ी ट्रक को चपेट में लिया और फिर बस में पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई। पीछे पुलिस वाले आ रहे थे। डर के मारे ट्रक चालक ने ट्रक को बैंक लेते हुए पीछे खड़े आइसक्रीम के ठेले को टक्कर मारी, इसके बाद वह जोधपुर की तरफ भागने लगा।

ब्याज वसूलने वाले लोगों से परेशान युवक ने आत्महत्या की

युवक ने ब्लैकमेल करने वालों के नाम सहित सुसाइड नोट छोड़ा

सादलपुर, (निसं)। राजगढ़ में पेनल्टी लगाकर ब्याज वसूलने वाले लोगों ने एक युवक को इतना ब्लैकमेल किया कि युवक ने चूरू-सादलपुर रेल खंड पर ट्रेन के सामने आकर आत्महत्या कर ली। शनिवार सुबह दर्ज मामले में युवक ने मौत को गले लगाने से पहले ब्लैकमेल करने वाला तीन युवक तथा एक महिला के नाम चार पेज का एक सुसाइड नोट छोड़ दिया। घटना के बाद पॉइंट परिवार सहित सैकड़ों लोगों ने आरोपियों को गिरफ्तार करने की मांग की तथा शव लेने से इंकार कर दिया। दिनभर चले चले गतिरोध के बाद वार्डवासियों एवं पुलिस प्रशासन के साथ हुई वार्ता में पोस्टमार्टम करवाने की सहमति बनी। इसके बाद मामला शांत हुआ।



मृतक सुनील।

थाना अधिकारी पुष्पेंद्र सिंह झाड़िया ने बताया कि मामले में हनुमान प्रसाद पुत्र खेमराम कुम्हार दर्ज करवाकर बताया कि उसका पुत्र सुनील जिसने कुछ दिनों से भगत सिंह चौक पर सज्जी की दुकान कर रही थी, जो 20 दिसंबर को घर से दुकान के लिए निकला था। शाम को घर वापस नहीं आया, जिसके बाद इधर-उधर पता

■ कर्ज देने वालों की ओर से फोन पर धमकियां देने का ऑडियो भी वायरल

नामजद आरोपियों की धमकियों से परेशान होकर उसके पुत्र सुनील ने आत्महत्या कर ली।

दर्ज मामले में बताया कि आरोपियों ने उसके पुत्र को मोबाइल पर जान से मारने की बार-बार धमकी दी है। जिसकी फोन में रिकॉर्डिंग भी है तथा सुसाइड नोट में भी लिखा है। पुलिस ने नामजद आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। वहीं आरोपियों को गिरफ्तारी की मांग को लेकर शव नहीं लेने की बात पर पॉइंट परिवार और लोग अड़े रहे। दो बार वार्ता भी विफल रही, बाद में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक किशोरी लाल तथा थाना अधिकारी पुष्पेंद्र झाड़िया के साथ पॉइंट परिवार और प्रमुख लोगों के बीच वार्ता में सहमति बनी। पुलिस ने तीन दिनों में आरोपियों को गिरफ्तार करने का आश्वासन दिया। इसके बाद पुलिस ने मृतक युवक का पोस्टमार्टम करवाकर शव उसके परिवार को सौंप दिया।

नाकाबंदी में बजरी भरा डंपर भागा, कट मारने से पुलिस की जीप पलटी

हादसे में महिला सब इंस्पेक्टर और कांस्टेबल घायल, एम्स में भर्ती

जोधपुर, (कासं)। कमिश्नरेट के ग्रामीण इलाकों में अवैध रूप से बजरी का खनन जारी है। लगातार अवैध खनन के चलते जिला पश्चिम में पुलिस द्वारा कार्रवाई की जाती रही है।

शनिवार को सुबह जिला पश्चिम की लूणी पुलिस ने नाकाबंदी कर अवैध बजरी डंपरों की धरपकड़ करनी चाही। तब एक अवैध बजरी से भरा डंपर भाग निकला और पुलिस द्वारा उसका पीछा किया गया। अवैध बजरी से भरे डंपर चालक ने पुलिस की जीप को कट मारा जिससे पुलिस की जीप पलटी खा गई। हादसे में सब इंस्पेक्टर और उसमें सवार कांस्टेबल

■ पुलिस की तरफ से अवैध बजरी डंपरों की धरपकड़ के लिए शनिवार सुबह नाकाबंदी करवाई गई थी

बुरी तरह घायल हो गए, जिन्हें उपचार के लिए एम्स अस्पताल में लाया गया है। दोपहर तक लूणी पुलिस अवैध बजरी डंपर की तलाश में जुटी रही। पुलिस ने टीमों का गठन का उसकी तलाश आरंभ की है। इस बारे में लूणी थाने में मामला दर्ज किया गया है।

घटना की जानकारी पुलिस के आलाधिकारी मौके के साथ अस्पताल पहुंचे और फीडबैक लिया।

थानाधिकारी हुकम सिंह ने बताया कि पुलिस की तरफ से अवैध बजरी डंपरों की धरपकड़ के लिए शनिवार सुबह नाकाबंदी करवाई गई थी। थाने की सब इंस्पेक्टर सुलोचना, कांस्टेबल बाबूलाल और अन्य स्टाफ था। एक अवैध बजरी से भरे डंपर के आने पर उसे रूकने का इशारा किया गया। मगर उसने गाड़ी नहीं रोकी और भट्टिया गांव की सरहद में पहुंचने पर पुलिस की जीप को कट मार दिया, जिससे जीप अनियंत्रित होकर पलटी खा गई।

इससे सबइंस्पेक्टर सुलोचना और कांस्टेबल बाबूलाल घायल हो गए, जिन्हें उपचार के लिए एम्स अस्पताल भेजा गया। वहीं सड़क पर काफी खून भी फैल गया।

सूचना पर पुलिस अधिकारी पहुंचे अस्पताल :- इधर इस घटना के बाद पुलिस के आलाधिकारी मौका स्थल पर पहुंचने के साथ ही एम्स अस्पताल पहुंचे। घायल सब इंस्पेक्टर सुलोचना और कांस्टेबल बाबूलाल की कुशलक्षेम पूछी। डीसीपी वेस्ट राजर्षि राजवर्मा, एडीसीपी निशांत भारद्वाज, एसीपी बोरानाडा आनंदसिंह आदि भी पहुंचे और जानकारी ली।

बाधिन टी- 84 का तीन शावकों के साथ मूवमेंट

बौली-बामनवास, (निसं)। सर्वाइ माधोपुर के रणथंभौर टाइगर नेशनल पार्क के त्रिनेत्र गणेश मंदिर मार्ग किले के आसपास बाधिन टी- 84 का अपने तीन शावकों के साथ विचरण करते

दिखा। शनिवार को देर शाम 7:45 पर रणथंभौर उपवन संरक्षक ने एक आदेश जारी कर 22 दिसंबर रविवार को त्रिनेत्र गणेश जी के आने वाले श्रद्धालुओं को उस मार्ग से आने-जाने को बंद कर दिया है। 21 दिसंबर शनिवार को श्रद्धालु जब गणेश मंदिर मार्ग की तरफ से दर्शन करके लौट रहे थे तो अचानक बाधिन टी-84 अपने शावकों के साथ रणथंभौर किले त्रिनेत्र गणेश मंदिर मार्ग पर आ गई। इसके तुरंत बाद वन विभाग कर्मचारियों ने उसको हल्ला करके वहां से कुछ आगे के लिए भेजा। उपवन संरक्षक डीएफओ ने 22 दिसंबर श्रद्धालुओं के गणेश मंदिर पर दर्शनार्थक लगा दी है।

आर्मी भर्ती रैली : परिचित को मेडिकल करवाने भेजा

पुलिस ने शांतिभंग में गिरफ्तार किया, अब केस में होगा गिरफ्तार

जोधपुर, (कासं)। शहर में इन दिनों आर्मी भर्ती रैली का आयोजन चल रहा है। आर्मी भर्ती रैली में एक युवक दौड़ में सफल होने के बाद अपने एक परिचित को मेडिकल करवाने भेज दिया, मगर उसकी चोरी पकड़ी गई। इस पर अब नायब सूबेदार की तरफ से रतानाड़ा थाने में केस दर्ज करवाया गया है। युवक को पुलिस ने शांतिभंग में गिरफ्तार कर लिया। केस में अब गिरफ्तार किया जाएगा।

नायब सूबेदार मनोज कुमार की तरफ से दी गई रिपोर्ट में बताया कि इन दिनों आर्मी भर्ती रैली का आयोजन किया जा रहा है। इसमें एक युवक कुलदीप ने दौड़ कर ली थी, मगर उसने

■ दौड़ में सफल होने के बाद एक युवक ने परिचित को मेडिकल करवाने भेजा था

मेडिकल करवाने के लिए अपने एक परिचित युवक फलोदी जिले के मतौड़ा थानान्तर्गत पल्ली निवासी मुकेश पुत्र अणुदराम चौधरी को भेज दिया। 18 दिसम्बर को मिलिट्री अस्पताल में इनका मेडिकल चल रहा था। तब मुकेश पर संदेह होने पर पड़ताल की गई, इस पर वह पकड़ा गया। रतानाड़ा पुलिस ने बताया कि मुकेश को शांतिभंग में गिरफ्तार किया गया है।

बाइकों की भिड़ंत में एक की मौत

टोंक, (निसं)। बनेटा थाना क्षेत्र में ककोड गांव के पास राष्ट्रीय राजमार्ग-116 पर शुक्रवार को रात्रि में दो मोटरसाइकिलों की आमने-सामने की भिड़ंत में एक युवक की मौत हो गई तथा दूसरी बाइक सवार युवक घायल हो गया, जिसे सआदत चिकित्सालय टोंक में भर्ती कराया है। थानाधिकारी बनेटा रामगिलाल गुर्जर ने बताया कि ककोड गांव के पास पेट्रोल पम्प पर राजेश पुत्र हरिराम मीणा निवासी बालपुर थाना नगरफोर्ट जो पेट्रोल पम्पकर अपने गांव बालपुरा जा रहा था, तभी वह दूसरी तरफ जाने के लिए डिवाइडर पार कर रहा था तभी दूसरी तरफ से आ रही मोटरसाइकिल सवार छीतर पुत्र प्रहलाद निवासी घाड की आमने-सामने भिड़ंत हो गई। तेज रफ्तार होने से दोनों मोटरसाइकिल सवार घायल हो गये, जिन्हें सआदत चिकित्सालय टोंक में लाया गया, जहां राजेश ने उपचार के दौरान दम तोड़ दिया तथा घायल का उपचार जारी है।

युवक ने फांसी का फंदा लगाकर खुदकुशी की

युवक की जेब में मिला सुसाइड नोट, जिसमें लिखा कि मेरी मौत का जिम्मेदार मैं स्वयं हूँ

किशनगढ़बास, (निसं)। नगर पालिका के वार्ड छह चर्च कॉलोनी में रहने वाले एक 22 वर्षीय युवक ने घर के अंदर कमरे में चुन्नी का फंदा बनाकर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। फांसी लगाने से पहले युवक ने सुसाइड नोट भी लिखा है, जिसमें उसने अपनी मौत का जिम्मेदार खुद को बताया। पुलिस खुदकुशी का मामला दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

पुलिस थाना किशनगढ़बास ए एस आई शिवदयाल ने बताया कि शहर के वार्ड छह चर्च कॉलोनी निवासी विशाल पुत्र सुंदरलाल मेघवाल ने सुबह करीब ग्यारह बजे अपने ही घर में चुन्नी का फंदा डालकर खुदकुशी कर जान दे दी। घटना के समय घर में उसकी दादी बाहर



मृतक विशाल।

चेयर डालकर घूम में बैठी थी एवं माता-पिता व भाई भजदूरी पर गए हुए थे। इस दौरान विशाल की मां घर पर

आई तो उसने देखा विशाल कमरे के अंदर फंदे में लटक रहा था। फंदे में रोने पर आसपास के लोग व एडवोकेट भुवनेश तिवाड़ी वार्ड पार्षद मनीष लखानी मौके पर पहुंचे और पार्षद ने पुलिस को सूचना दी। पार्षद की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची।

पुलिस ने मृतक का शव फंदे से उतारकर कपड़े चेक किए। इस दौरान उसकी जेब से सुसाइड पत्र मिला। जिसमें उसने लिखा मेरी मौत का जिम्मेदार, मैं खुद हूँ। मुझे कोई परेशान नहीं कर रहा था, किसी तरह का कोई मामला नहीं है। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले आए शव का पोस्टमार्टम करवाकर शव परिवर्जनों को सौंप दिया।

फव्वारे चोरी मामले में पांच गिरफ्तार

मनोहरपुर, (निसं)। थाना पुलिस ने फव्वारे चोरी करने के मामले में पांच जनों को गिरफ्तार किया है। थाना प्रभारी राजेंद्र यादव ने बताया कि दिनांक 3 जुलाई को कल्याणपुरा दूदी आमलोदा में मंगलराम पुत्र प्रभुदयाल बावरिया, फूलचन्द उर्फ राजवीर उर्फ राजू पुत्र बाबूलाल बावरिया, दिनेश कुमार मोगिया पुत्र गणेश मोगिया बावरिया, कालू मोगिया उर्फ मुकेश पुत्र बाबूलाल बावरिया, धर्मा उर्फ गुड्डु पुत्र बाबूलाल बावरिया को फव्वारा चोरी करने के मामले में गिरफ्तार किया गया।

बजरी भरा ट्रक जब निवाड़ी, (निसं)। बरोनी थाना पुलिस ने अवैध बजरी से भरे हुए एक ट्रक को जब्त करके चालक को गिरफ्तार किया है। थानाधिकारी मानवेंद्र सिंह ने बताया कि गश्त के दौरान नाकाबंदी थाना बरोनी पर अवैध बजरी से भरे हुए एक ट्रक को जब्त किया गया है। उन्होंने बताया कि चालक देवलाल गुर्जर निवासी कोलाडा थाना बौली सर्वाइ माधोपुर को गिरफ्तार किया है।

अपहरण कर फिरौती की मांग करने वाला फरार आरोपी गिरफ्तार

बून्दी, (निसं)। अपहरण कर फिरौती की मांग करने वाले फरार आरोपी को बून्दी पुलिस ने बापदा गिरफ्तार किया गया, जबकि घटना में वांछित छह अपहरणकर्ताओं को पूर्व में गिरफ्तार किया जा चुका है।

जिला पुलिस अधीक्षक राजेन्द्र कुमार मीणा ने बताया कि थानाधिकारी थाना इन्द्रगढ़ के नेतृत्व में गठित टीम ने युवक का अपहरण कर फिरौती की मांग करने वाले फरार मुल्सिम अमन उर्फ लाला पुत्र अय्यूब खान को बापदा गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की। उक्त मामले में यशवन्त केवट, अल्फेज उर्फ आलू, हिमांशु चतुर्वेदी, शादाब उर्फ मलंग, अशरफ उर्फ कालू, ईश पठान उर्फ राजा खान को पूर्व में गिरफ्तार व एक बालक को निरुद्ध किया जा चुका है।

इन्होंने बताया कि गिरफ्तारशुदा आरोपी अमन उर्फ लाला आपराधिक पृष्ठभूमि का है, जिस पर चोरी, अपहरण,



फिरौती मांगने वाले फरार आरोपी को पुलिस ने बापदा गिरफ्तार किया।

फिरौती, हत्या का प्रयास, मारपीट, आम्स एक्ट आदि के 30 प्रकरण दर्ज

है। जिला पुलिस अधीक्षक राजेन्द्र कुमार मीणा ने बताया कि मामले में 4 अगस्त

■ घटना में वांछित छह अपहरणकर्ताओं को पूर्व में गिरफ्तार किया जा चुका है

को बुद नरवर थाना कवरर निवासी चौधमल मीणा ने करवर थाने में अपने बेटे विकास मीणा का पांच व्यक्तियों द्वारा इन्द्रगढ़ से कार में अपहरण करके रुपयों की मांग करने की सूचना दी थी। फिरियादी ने बताया था कि आरोपी पैसे नहीं देने पर जान से खत्म करने की धमकी दे रहे हैं।

सूचना पर गठित पुलिस टीम ने अपहृत की तलाश करते हुए अपहृत विकास मीणा निवासी बुद कवरर को गिरफ्तार व एक विधि के विरुद्ध संघर्षरत बालक को निरुद्ध किया जाकर घटना में विभिन्न विश्वविद्यालयों को गिरफ्तार व एक विधि के विरुद्ध संघर्षरत बालक को निरुद्ध किया जाकर घटना में विभिन्न विश्वविद्यालयों के कुलपतिगण, पूर्व कुलपति, प्रबंध मंडल व अकादमिक परिषद के सदस्यगण मौजूद रहे।

समारोह में उदयपुर सांसद मन्नालाल रावत, बेगू विधायक सुरेश धाकड़, सुविधि की कुलपति प्रो. सुनिता मिश्रा, विद्यापीठ विधि के कुलपति प्रो. सारंगदेवोत, कुलसचिव सुधाशु सिंह, एमपीयूएटी के पूर्व कुलपति डॉ. एस.एल. मेहता, डॉ. उमाशंकर शर्मा, एसओसी मेम्बर, डीन, डायरेक्टर, समारोह समन्वयक डॉ. लोकेश गुप्ता एवं परीक्षा नियंत्रक डॉ. राम हरि मीणा उपस्थित थे। संचालन विशाखा बंसल ने किया।

कार-बस की टक्कर में पति-पत्नी की मौत

बीकानेर, (निसं)। जिले के श्रीद्वारगढ़ में नेशनल हाइवे पर कार-बस को आमने-सामने की टक्कर में दो लोगों की मौत हो गई। वहीं दो घायल हो गए। घायलों को पीबीएम हॉस्पिटल ले जाया गया।

हादसा श्रीद्वारगढ़ से करीब 22 किलोमीटर दूर बीकानेर की तरफ हुआ है। हादसा कोहरे के कारण होना माना जा रहा है। हादसे में कार सवार अजय (30) पुत्र करतार सिंह और अजय की पत्नी ऋतु (28) की मौत हो गई है। वहीं अंधिषेक (28) पुत्र सतवीर और उनकी पत्नी नचिता धायल हो गए। चारों हरियाणा के रहने वाले हैं और कार से बीकानेर आ रहे थे। पुलिस ने घटना स्थल पर पहुंचकर दोनों गाड़ियों को मौके से हटाया।

झेंझूक के पास हाइवे के पास ही काम कर रहे कृष्ण ने बताया उनका सोलर प्लॉट व ट्यूबवेल है। वे ट्यूबवेल पर थे। आवाज सुनकर वे अपने साथियों के साथ घटनास्थल पर

■ हरियाणा से बीकानेर आ रहे थे कार सवार दम्पती, कोहरे में आमने-सामने नहीं दिखे वाहन

■ हादसे में दो जने घायल हो गए, पीबीएम हॉस्पिटल ले जाया गया

पहुंचे। कार से लोगों को निकालकर अपनी कैंपर गाड़ी से हॉस्पिटल लेकर गए, जहां डॉक्टरों ने दो को मृत घोषित कर दिया। कोहरे के कारण विजिबिलिटी कम होने से दोनों वाहन चालक को सामने वाला वाहन नजर नहीं आया। ऐसे में आमने-सामने टक्कर हो गई। वाहन दिखने पर किनारे करने का प्रयास भी किया, लेकिन बस के कोने से कार टकरा गई।

बच्चों की बौद्धिक क्षमता बढ़ाने वाली शिक्षा की जरूरत : बागडे

उदयपुर, (कासं)। कुलाधिपति एवं प्रदेश के राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने कहा कि टेस्ट बुक (पाठ्यक्रम) से डिग्री जरूर मिल जाएगी, लेकिन जीवन नहीं सुधरेगा। जीवन सुधारने के लिए बच्चों की बौद्धिक क्षमता बढ़ानी होगी और यह तभी संभव है जब विश्वविद्यालय के शिक्षक अपने मन-मस्तिष्क में समाया तमाम ज्ञान बच्चों में ट्रांसफर करें। राज्यपाल बागडे शनिवार को महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विवि उदयपुर के अठारहवें दीक्षांत समारोह में उपाधियां, पदक व डिग्रियां प्रदान करने के बाद सदन को संबोधित कर रहे थे।

राज्यपाल ने कहा कि भारत ऋषि व कृषि प्रधान राष्ट्र है। देश आजाद हुआ तो 1950 में अमरीका से अनाज का आयात होता था, तब आबादी भी 40 करोड़ के भीतर थी। देश के वैज्ञानिकों की कड़ी मेहनत के बूते आज 140 करोड़ की आबादी के बावजूद हम खाद्यान्न में आत्मनिर्भर हैं। दीक्षांत



दीक्षांत समारोह में राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने उपाधियां, पदक व डिग्रियां प्रदान कीं।

उद्घोषण करते हुए प्रख्यात वैज्ञानिक व असम कृषि विवि जोरहाट के पूर्व कुलपति डॉ. अमरनाथ मुखोपाध्याय ने कहा कि भारत ने तीन प्रमुख क्षेत्रों कृषि, अंतरिक्ष और आईटी क्षेत्र में

जबर्दस्त प्रगति हासिल की है। पिछले पांच दशकों में कृषि में अपूर्व वृद्धि हासिल की है। उन्होंने कहा कि मेरा जन्म स्वतंत्रता पूर्व 1940 में हुआ और मैंने बचपन में गरीबी, खाद्यान्न की

■ महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय उदयपुर का अठारहवां दीक्षांत समारोह आयोजित

उत्तरी 938 स्नातक, 181 निष्णात व 62 विद्यावाचस्पति अध्येत्यों को दीक्षा प्रदान की। तदुपरांत राज्यपाल ने विद्यावाचस्पति अध्येत्यों तथा विभिन्न संकायों के प्रतिभावाचन योग्य 42 विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक प्रदान किए। इस अवसर पर ए वितोली चिशी निष्णात (कृषि अभियांत्रिकी) प्रसंस्करण एवं खाद्य अभियांत्रिकी को चंसलर गोल्ड मेडल प्रदान किया गया। इसके पूर्व विवि परिसर स्थित विवेकानन्द सभागार, डेयरी व खाद्य कर्नाटक ने विवि में विगत एक वर्ष की उपलब्धियों को रेखांकित करते हुए वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। उन्होंने विश्वास दिलाया कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुसार प्रवेश की कृषि शिक्षण व्यवस्था, शोध, प्रसार व उद्यमिता विकास को आगे ले जाने के लिए हमारा विवि कटिबद्ध है। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने अकादमिक वर्ष 2023-24 में

इस अवसर पर ए वितोली चिशी निष्णात (कृषि अभियांत्रिकी) प्रसंस्करण एवं खाद्य अभियांत्रिकी को चंसलर गोल्ड मेडल प्रदान किया गया। इसके पूर्व विवि परिसर स्थित विवेकानन्द सभागार, डेयरी व खाद्य कर्नाटक ने विवि में विगत एक वर्ष की उपलब्धियों को रेखांकित करते हुए वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। उन्होंने विश्वास दिलाया कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुसार प्रवेश की कृषि शिक्षण व्यवस्था, शोध, प्रसार व उद्यमिता विकास को आगे ले जाने के लिए हमारा विवि कटिबद्ध है। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने अकादमिक वर्ष 2023-24 में

इस अवसर पर ए वितोली चिशी निष्णात (कृषि अभियांत्रिकी) प्रसंस्करण एवं खाद्य अभियांत्रिकी को चंसलर गोल्ड मेडल प्रदान किया गया। इसके पूर्व विवि परिसर स्थित विवेकानन्द सभागार, डेयरी व खाद्य कर्नाटक ने विवि में विगत एक वर्ष की उपलब्धियों को रेखांकित करते हुए वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। उन्होंने विश्वास दिलाया कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुसार प्रवेश की कृषि शिक्षण व्यवस्था, शोध, प्रसार व उद्यमिता विकास को आगे ले जाने के लिए हमारा विवि कटिबद्ध है। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने अकादमिक वर्ष 2023-24 में

10 लाख रु. फिरौती मांगने वाले तीन बदमाश गिरफ्तार

जयपुर। मुहाना थाना इलाके में एक युवक का किडनैप कर 10 लाख रुपए की फिरौती मांगने का मामला सामने आया है। मारपीट कर बदमाश जबरन कार में डालकर किडनैप कर ले गए। वॉट्सऐप कॉल कर 10 लाख रुपए की फिरौती नहीं देने पर हत्या करने की धमकी दी।



मुहाना थाना पुलिस ने युवक का अपहरण करने वाले तीन बदमाशों को गिरफ्तार किया।

मुहाना थाना पुलिस ने तुरंत लोकेशन के आधार पर किडनैप युवक को सुरक्षित छुड़वाकर तीन बदमाशों को राउंडअप किया है। मामले में फरार बदमाशों को पकड़ने के लिए दबिश दी जा रही है। पुलिस ने बताया कि शिव शक्ति विहार मुहाना निवासी हंसराज जाट ने मामला दर्ज करवाया कि सुमेर नगर विस्तार मानसरोवर में उनका एचडी बार एंड रेस्टोरेंट चलता है। इसमें पीपल टॉक निवासी मनीष चौधरी काम करता है। गुरुवार रात करीब 11 बजे बेलनें कार और 2 बाइक पर 6-

7 बदमाश आए। बार के बाहर से मारपीट कर मनीष को जबरन कार में डालकर किडनैप कर ले गए। करीब आधे घंटे बाद बदमाशों ने

वॉट्सऐप कॉल किया। मनीष को छोड़ने के बदले 10 लाख रुपए की फिरौती मांगी। रुपए नहीं देने पर मनीष को जान से मार डालने की धमकी दी।

पुलिस ने अपहृत युवक को सकुशल छुड़ाकर आरोपियों को दबोचा

बार संचालक ने तुरंत पुलिस कंट्रोल रूम को सूचना की। मुहाना थाना पुलिस ने लोकेशन के आधार पर बदमाशों को ट्रैक करना शुरू किया। पुलिस टीम ने किडनैप मनीष को सुरक्षित छुड़वा तीन बदमाशों को पकड़ लिया।

मामले में फरार बदमाश और मास्टर माइंड की तलाश की जा रही है। इस मामले में पुलिस ने 20 वर्षीय लोकेश गडवानी निवासी बैंक कॅमलौनी मुरलीपुरा स्क्रीम, 24 वर्षीय प्रेम गुप्ता निवासी चरण नदी मुरलीपुरा और 25 वर्षीय उमेश कुमार कुमावत निवासी महावीर नगर महारानी फार्म दुर्गापुरा को अरेस्ट किया है।

सहकारिता आंदोलन में जिला सहकारी संघों की महत्वपूर्ण भूमिका : भोमाराम

जयपुर। राजस्थान राज्य सहकारी संघ लि, जयपुर के प्रशासक एवं अतिरिक्त रजिस्ट्रार भोमा राम ने कहा कि सहकारिता आंदोलन में प्रशिक्षण की भूमिका महत्वपूर्ण है, क्योंकि सहकारिता किसी बाह्य स्रोत से संचालित नहीं होता है। इसमें सभी सदस्य मिलकर निर्णय लेते हैं, कार्ययोजना बनाते हैं और स्वयं के हित में लागू करते हैं। यह "एक सबके लिये, सब एक के लिये" के मूल मंत्र से संचालित आंदोलन है।



राजस्थान राज्य सहकारी संघ का स्थापना दिवस समारोह मनाया।

नेहरू सहकार भवन स्थित सभागार में शनिवार को राजस्थान राज्य सहकारी संघ के 67वें स्थापना दिवस समारोह को संबोधित करते हुए भोमा राम ने कहा कि संघ के जिला इकाई सदस्यों के माध्यम से शीघ्र ही सहकारी पदाधिकारियों एवं सदस्यों के लिये प्रशिक्षण कार्यशालाओं का आयोजन प्रारम्भ किया जायेगा। उन्होंने कहा कि इस प्रयास से स्थानीय परिवेश में सहकारिता के मूल सिद्धान्तों के परिपेक्ष्य में सदस्यों के अधिकार एवं कर्तव्यों के बारे में अवगत कराया जायेगा ताकि वे अपना सक्रिय योगदान दे सकें।

सहकारी संघ के मुख्य कार्यकारी अधिकारी आर. एस. चौहान ने कहा कि प्रदेश के सहकारी उद्यमियों को अपने उत्पादों को अन्तरराष्ट्रीय बाजार में विक्रय करने और अधिक रोजगार उत्पन्न करने के लिये उन्हें राष्ट्रीय सहकारी निर्यात लि. (एन.सी.ई.एल.) से जुड़ना चाहिये ताकि उन्हें बेहतर अवसर मिल सकें। चौहान ने कहा कि प्रदेश में ऑर्गेनिक प्रॉडक्ट्स के लिये असीम संभावनायें हैं।

उन्होंने सहकारी संघ के इतिहास पर प्रकाश डालते हुए बताया कि सहकारी द्वारा प्रदेश के ख्यातनाम राजनीतिज्ञ दिये हैं, जिन्होंने विभिन्न उच्च पदों को सुशोभित किया है। उन्होंने सहकारी संस्थाओं के मध्य सहयोग पर

जाता सरकार की पहल पर राष्ट्रीय सहकारी ऑर्गेनिक लि. (एन.सी.ओ.एल.) संस्था का गठन किया गया है। प्रदेश के जैविक उत्पादों के क्रय-विक्रय का कार्य करने वाली सहकारी संस्थाओं को एन.सी.ओ.एल. से जुड़ना चाहिये ताकि उनके सदस्यों को उत्पादों का अच्छा मूल्य मिल सके। भारतीय राष्ट्रीय सहकारी संघ के कार्यकारी निदेशक रितेश डे ने कहा कि राजस्थान इतिहास, संस्कृति और पुरासंपदा के साथ विषम परिस्थितियों के साथ आगे बढ़ने वाला प्रदेश है। एन.सी.ओ.एल. सहकारी संस्थाओं के साथ ही उनमें उद्यमशीलता एवं लीडरशिप का विकास करने के लिये प्रशिक्षण भी प्रदान करता है। उन्होंने आह्वान किया कि सभी मिलकर अधिकतम युवाओं को सहकारिता की मूल भावना से परिचित कराये और उन्हें सहकारिता से जोड़े।

'अजमेर रोड हादसे के पीड़ित परिवारों के साथ है सरकार'

जयपुर। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष और राज्यसभा सांसद मदन राठी ने शनिवार को एमएमएस अस्पताल का दौरा कर अजमेर रोड सड़क हादसे में घायलों की कुशलक्षेम जानी। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठी ने शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त करते हुए कहा कि भाजपा सरकार हादसे के पीड़ित परिवारों के साथ खड़ी है। सरकार की ओर से हादसे में घायलों की हर संभव मदद की जाएगी। आगजनी में गंभीर रूप से झुलसे लोगों के इलाज के साथ भाजपा सरकार ने चिकित्सकों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए हैं और अस्पताल में घायलों के परिजनों के लिए भी समूचित व्यवस्था की गई है।

दिया कुमारी ने घायल लोगों की कुशलक्षेम पूछी

जयपुर (कासं)। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने शनिवार को एमएमएस अस्पताल पहुंच कर शूक्रवार को जयपुर के भांकरोटा के पास एलपीजी गैस टैंकर हादसे का घायलों की कुशलक्षेम पूछी।

उन्होंने डॉक्टरों को पूरी सावधानी बरतकर बेहतर उपचार करने के निर्देश दिए। उन्होंने पत्रकारों से बात करते हुए बताया कि यह बेहद दुःखद घटना है। मुख्यमंत्री भी घटना होने वाले स्थान पर उस समय तुरंत पहुंचे। हम सब इस घटना को ले कर बहुत चिंतित हैं। डॉक्टरों की टीम पूरी मेहनत कर रही है। मैंने डॉक्टरों को अपनी तरफ से भी सुझाव दिए हैं। पूर्ण संवेदनशीलता से घटना में घायलों के बेहतर उपचार हेतु आवश्यक प्रयास किये जा रहे हैं।

दिया कुमारी ने कहा कि जिन घायलों की गंभीर स्थिति है उनके लिए अलग से स्थान निश्चित कर वहां विशेष आईसीयू बनाकर कर पूर्ण गहनता से उपचार किये जाने के हेतु मैं सुझाव दिया है। इसके लिए भी डॉक्टरों से प्रयास करेंगे। सरकार इस घटना के पीड़ितों की सहायता के लिए अपना पूरा प्रयास कर रही है।

अवैध जल कनेक्शनों को काटने में तेजी लाकर दोषियों पर कार्रवाई करें : सावंत

ग्रीष्म ऋतु के प्रस्ताव 5 जनवरी तक भिजवाएं : प्रमुख सचिव

जयपुर। जन स्वस्थाय अभियानिकी विभाग के प्रमुख शासन सचिव भास्कर ए. सावंत ने कहा कि ग्रीष्म ऋतु 2025 के लिए प्रस्ताव आगामी 5 जनवरी तक प्रस्तुत किए जाएं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में अवैध जल कनेक्शन काटने में तेजी लानी जाए एवं संबंधित दोषियों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाया की जाए। उन्होंने कहा कि अवैध जल कनेक्शन काटते समय लॉ एंड ऑर्डर की स्थिति बनती है तो उसके बारे में उच्च स्तर पर बताया जाए जिससे उच्च स्तर पर पुलिस को कठोर कार्रवाई करने के लिए अवगत कराया जा सके।



जलदाय विभाग के प्रमुख शासन सचिव भास्कर ए. सावंत ने शनिवार को अधिकारियों की बैठक ली।

सावंत शनिवार को जल भवन से वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से मुख्य अभियंता, अतिरिक्त मुख्य अभियंता, अधीक्षण अभियंता, साहित अधिशाषी अभियंताओं को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सभी संचालन एवं संधारण कार्य जैसे पंप मोटर, पाइपलाइन, इलेक्ट्रिक आइटम, पैनल एवं हेड पंप रिपेयर सहित जल योजनाओं के ओ एंड एम की रेट कांटेक्ट के टेंडर जो आगामी समय में

पूर्ण होने जा रहे हैं उनकी निविदाएं 31 दिसंबर तक हर हालात में आमंत्रित कर ली जाए इसमें किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने सभी अधिशाषी अभियंताओं को खंड कार्यालय से सामान की मांग का आकलन कर एम.एम.सेल के ऑनलाइन मांड्यूल पर 31 दिसंबर तक भिजवाने के निर्देश दिए।

प्रमुख शासन सचिव ने कहा कि सभी अधीक्षण अभियंता अपने-अपने क्षेत्र में ऐसी 10 जगह चिन्हित कर ले

जहां ग्रीष्म ऋतु में अक्सर पेयजल की समस्या रहती है जिससे आगामी ग्रीष्म ऋतु में इन समस्याओं का समाधान समय रहते हुए किया जा सके। उन्होंने कहा कि जिन क्षेत्रों में टैंकर के माध्यम से पेयजल का परिवहन किया जाना है ऐसे क्षेत्रों को चिन्हित करते हुए प्रस्ताव 5 जनवरी तक हालात में भिजवाए जाना सुनिश्चित करें। वीडियो कॉन्फ्रेंस में मुख्य अभियंता (ग्रामीण) के.डी.गुप्ता, मुख्य अभियंता (शहरी) मनीष बेनीवाल सहित अन्य अभियंता उपस्थित रहे।

जयपुर। राजस्थान राज्य सहकारी संघ लि, जयपुर के प्रशासक एवं अतिरिक्त रजिस्ट्रार भोमा राम ने कहा कि सहकारिता आंदोलन में प्रशिक्षण की भूमिका महत्वपूर्ण है, क्योंकि सहकारिता किसी बाह्य स्रोत से संचालित नहीं होता है। इसमें सभी सदस्य मिलकर निर्णय लेते हैं, कार्ययोजना बनाते हैं और स्वयं के हित में लागू करते हैं। यह "एक सबके लिये, सब एक के लिये" के मूल मंत्र से संचालित आंदोलन है।



राजस्थान राज्य सहकारी संघ का स्थापना दिवस समारोह मनाया।

नेहरू सहकार भवन स्थित सभागार में शनिवार को राजस्थान राज्य सहकारी संघ के 67वें स्थापना दिवस समारोह को संबोधित करते हुए भोमा राम ने कहा कि संघ के जिला इकाई सदस्यों के माध्यम से शीघ्र ही सहकारी पदाधिकारियों एवं सदस्यों के लिये प्रशिक्षण कार्यशालाओं का आयोजन प्रारम्भ किया जायेगा। उन्होंने कहा कि इस प्रयास से स्थानीय परिवेश में सहकारिता के मूल सिद्धान्तों के परिपेक्ष्य में सदस्यों के अधिकार एवं कर्तव्यों के बारे में अवगत कराया जायेगा ताकि वे अपना सक्रिय योगदान दे सकें।

सहकारी संघ के मुख्य कार्यकारी अधिकारी आर. एस. चौहान ने कहा कि प्रदेश के सहकारी उद्यमियों को अपने उत्पादों को अन्तरराष्ट्रीय बाजार में विक्रय करने और अधिक रोजगार उत्पन्न करने के लिये उन्हें राष्ट्रीय सहकारी निर्यात लि. (एन.सी.ई.एल.) से जुड़ना चाहिये ताकि उन्हें बेहतर अवसर मिल सकें। चौहान ने कहा कि प्रदेश में ऑर्गेनिक प्रॉडक्ट्स के लिये असीम संभावनायें हैं।

उन्होंने सहकारी संघ के इतिहास पर प्रकाश डालते हुए बताया कि सहकारी द्वारा प्रदेश के ख्यातनाम राजनीतिज्ञ दिये हैं, जिन्होंने विभिन्न उच्च पदों को सुशोभित किया है। उन्होंने सहकारी संस्थाओं के मध्य सहयोग पर

जाता सरकार की पहल पर राष्ट्रीय सहकारी ऑर्गेनिक लि. (एन.सी.ओ.एल.) संस्था का गठन किया गया है। प्रदेश के जैविक उत्पादों के क्रय-विक्रय का कार्य करने वाली सहकारी संस्थाओं को एन.सी.ओ.एल. से जुड़ना चाहिये ताकि उनके सदस्यों को उत्पादों का अच्छा मूल्य मिल सके। भारतीय राष्ट्रीय सहकारी संघ के कार्यकारी निदेशक रितेश डे ने कहा कि राजस्थान इतिहास, संस्कृति और पुरासंपदा के साथ विषम परिस्थितियों के साथ आगे बढ़ने वाला प्रदेश है। एन.सी.ओ.एल. सहकारी संस्थाओं के साथ ही उनमें उद्यमशीलता एवं लीडरशिप का विकास करने के लिये प्रशिक्षण भी प्रदान करता है। उन्होंने आह्वान किया कि सभी मिलकर अधिकतम युवाओं को सहकारिता की मूल भावना से परिचित कराये और उन्हें सहकारिता से जोड़े।

'अजमेर रोड हादसे के पीड़ित परिवारों के साथ है सरकार'

जयपुर। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष और राज्यसभा सांसद मदन राठी ने शनिवार को एमएमएस अस्पताल का दौरा कर अजमेर रोड सड़क हादसे में घायलों की कुशलक्षेम जानी। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठी ने शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त करते हुए कहा कि भाजपा सरकार हादसे के पीड़ित परिवारों के साथ खड़ी है। सरकार की ओर से हादसे में घायलों की हर संभव मदद की जाएगी। आगजनी में गंभीर रूप से झुलसे लोगों के इलाज के साथ भाजपा सरकार ने चिकित्सकों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए हैं और अस्पताल में घायलों के परिजनों के लिए भी समूचित व्यवस्था की गई है।

"हाइब्रिड एन्यूटी मॉडल" से होगा बेहतर आर्थिक प्रबंधन

जयपुर। डिस्कॉमस चेयरमैन आरती डोंगरा ने कहा कि राज्य सरकार का संकल्प है कि प्रदेश में कृषि क्षेत्र को दिन में बिजली की मांग को पूरा किया जाए। ऐसे में डिस्कॉमस ने हाइब्रिड एन्यूटी मॉडल का नवाचार अपनाया है। जिससे बेहतर आर्थिक प्रबंधन कर डिस्कॉमस प्रदेश में 4097 मेगावाट विकेंद्रित सौर अनुमानित लागत के नेटवर्क में 30 हजार करोड़ ऋण अथवा स्वयं के संसाधनों से जुटना डिस्कॉमस के लिए संभव नहीं है। ऐसे में हाइब्रिड एन्यूटी मॉडल वित्तीय लागत का बेहतर प्रबंधन कर प्रदेश में किसानों की बिजली की मांग को पूरा करने की दिशा में कारगर कदम है। डिस्कॉमस चेयरमैन शनिवार ने निर्देश दिए कि आने वाले तीन महीनों में तीनों डिस्कॉमस में जोनल मुख्य अभियंता, अधीक्षण अभियंता और अधिशाषी अभियंता ऑफिस सिस्टिंग की बजाए फोल्ड विजिंट को प्राथमिकता दी। अधिक छीजत वाले ग्रिड सब स्टेशन, फीडर, सब डिवाजन कार्यालयों का दौरा कर। अपनी फोल्ड विजिंट में कनिष्ठ अभियंता तथा फीडर इंजाइज के साथ जमीनी स्तर पर छीजत में कमी लाने तथा बेहतर उपभोक्ता सेवाएं उपलब्ध कराने पर समीक्षा कर। बैठक में जयपुर डिस्कॉम के अतिरिक्त अभियंता (प्रोजेक्ट, प्लानिंग एवं मॉनिटरिंग) आर. के. शर्मा ने प्रजेंटेशन में बताया कि कुसुम कंपोनेंट एके अंतर्गत राजस्थान में अब तक 602 मेगावाट के पावर परचेज एग्रीमेंट एवं 299 मेगावाट के 230 विकेंद्रित सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित किए जा चुके हैं। जिनसे करीब 40 हजार किसानों को दिन में बिजली सुलभ हो रही है।

डिस्कॉमस पर आर्थिक भार को कम किया जा सकेगा। उन्होंने कहा कि हेम मॉडल में विकेंद्रित सौर ऊर्जा, फीडर पृथक्कीकरण एवं नेटवर्क मैनेजमेंट पर अनुमानित लागत के नेटवर्क में 30 हजार करोड़ ऋण अथवा स्वयं के संसाधनों से जुटना डिस्कॉमस के लिए संभव नहीं है। ऐसे में हाइब्रिड एन्यूटी मॉडल वित्तीय लागत का बेहतर प्रबंधन कर प्रदेश में किसानों की बिजली की मांग को पूरा करने की दिशा में कारगर कदम है। डिस्कॉमस चेयरमैन शनिवार ने निर्देश दिए कि आने वाले तीन महीनों में तीनों डिस्कॉमस में जोनल मुख्य अभियंता, अधीक्षण अभियंता और अधिशाषी अभियंता ऑफिस सिस्टिंग की बजाए फोल्ड विजिंट को प्राथमिकता दी। अधिक छीजत वाले ग्रिड सब स्टेशन, फीडर, सब डिवाजन कार्यालयों का दौरा कर। अपनी फोल्ड विजिंट में कनिष्ठ अभियंता तथा फीडर इंजाइज के साथ जमीनी स्तर पर छीजत में कमी लाने तथा बेहतर उपभोक्ता सेवाएं उपलब्ध कराने पर समीक्षा कर। बैठक में जयपुर डिस्कॉम के अतिरिक्त अभियंता (प्रोजेक्ट, प्लानिंग एवं मॉनिटरिंग) आर. के. शर्मा ने प्रजेंटेशन में बताया कि कुसुम कंपोनेंट एके अंतर्गत राजस्थान में अब तक 602 मेगावाट के पावर परचेज एग्रीमेंट एवं 299 मेगावाट के 230 विकेंद्रित सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित किए जा चुके हैं। जिनसे करीब 40 हजार किसानों को दिन में बिजली सुलभ हो रही है।

भजनलाल सरकार के सुशासन से बौखला गई है कांग्रेस : मंत्री बेदम

मंत्री जवाहर सिंह ने किया कांग्रेस की प्रेस कॉन्फ्रेंस पर पलटवार

भरतपुर। गुह राज्यमंत्री जवाहर सिंह बेदम ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने एक साल में बेमिसाल काम करते हुए प्रदेश के हर नागरिक को राहत पहुंचाने का काम किया है। आज कांग्रेस के नेता पत्रकार वार्ता में अनर्गल आरोप लगाकर जनता को केवल भ्रमित करने की असफल कोशिश कर रहे हैं। जबकि जनता जनार्दन ने हाल ही में विधानसभा उपचुनाव में पूरी तरीके से कांग्रेस को नकार दिया और भारतीय जनता पार्टी की सरकार के सुशासन पर मुहर लगाते हुए भारी समर्थन दिया।

जतिवाद, तुष्टीकरण की राजनीति ही की है। बेदम ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और उनकी टीम पूरी प्रतिबद्धता के साथ गांव से लेकर शहरों का विकास कर रही है। ग्रीनफील्ड एक्सप्रेस-वे हो या जिला स्तर पर सड़कों का निर्माण, प्रदेश में विश्वस्तरीय सड़क तंत्र विकसित हो रहा है। वहीं दूसरी ओर कांग्रेस सरकार के समय में सड़कों की खस्ता हालत थी। पूर्व मुख्यमंत्री को जोधपुर में हेलिकॉप्टर से यात्रा करनी पड़ी क्योंकि रोड पर गड्डे ही गड्डे थे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार होटल टूरिज्म कर अपनी सरकार बचा रही थी। वो सरकार चल कहां रही थी वो तो गिरने से बच रही थी। राज्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार ने राईजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट के अंतर्गत 35 लाख करोड़ रुपये से अधिक के एमओयू किए, जो धरातल पर उदरगो साध ही, हमारे मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने संशोधित पार्वती, कालीसिंध, चंबल परिवोजना पर ऐतिहासिक एमओए कर पूर्वी राजस्थान के 21 जिलों की सत्ता तीन करोड़ जनता को पेयजल देने का काम किया है।

उन्होंने कहा कि आज भाजपा के शासन में किसानों को पर्याप्त मात्रा में बिजली और पानी उपलब्ध हो रहा है। किसानों को सम्मान निधि और गेहूँ की एमएसपी पर अतिरिक्त बोनस निश्चित रूप से देकर उनका आर्थिक सशक्तीकरण किया जा रहा है। जबकि पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार ने किसानों को थोड़े के अतिरिक्त कुछ नहीं दिया। अन्नदाता कर्ज के बोझ से दबकर मर गए पर कांग्रेस सरकार ने कोई राहत नहीं पहुंचायी। कांग्रेस ने भ्रष्टाचार, कुशासन,

जे.जे.एस. में उमड़े ज्वैलर्स व खरीददार

जयपुर। देश की प्रमुख बी2बी और बी2सी एजीबिशन जयपुर ज्वैलरी शो (जेजेएस) के दूसरे दिन शनिवार को जयपुर एजीबिशन एंड कन्वेंशन सेंटर में आभूषण प्रेमियों की भारी भीड़ उमड़ी, जिसमें देश के प्रमुख रिटेलर्स शामिल हुए। सीतापुरा के जे.ई.सी.सी. में 23 दिसंबर तक आभूषणों का महाकुंभ आयोजित होगा।

स्थानीय जौहरियों के साथ-साथ बड़ी संख्या में शामिल हुए अंतरराष्ट्रीय ज्वैलर्स

जयपुर। देश की प्रमुख बी2बी और बी2सी एजीबिशन जयपुर ज्वैलरी शो (जेजेएस) के दूसरे दिन शनिवार को जयपुर एजीबिशन एंड कन्वेंशन सेंटर में आभूषण प्रेमियों की भारी भीड़ उमड़ी, जिसमें देश के प्रमुख रिटेलर्स शामिल हुए। सीतापुरा के जे.ई.सी.सी. में 23 दिसंबर तक आभूषणों का महाकुंभ आयोजित होगा।

जेजेएस समिति द्वारा विशेष रुप से आमंत्रित किए गए इन रिटेलर्स ने जयपुर की कुंदन-मीना, लाईट-वेरि और कलर स्टोन ज्वैलरी में गहरी दिलचस्पी दिखाई। जयपुर के जौहरियों के साथ-साथ बड़ी संख्या में अंतरराष्ट्रीय ज्वैलर्स ने भी जेजेएस में शिरकत की, जिन्होंने पिछले एक वर्ष में जयपुर के बाजार में आए प्रोफेशनल बदलाव को सराहा।

जेजेएस के चेयरमैन विमल चंद्र सुराणा ने बताया कि इस बार के जेजेएस में रशियन और थाइलैंड के डेलिगेशन ने भी विजिट की और जेजेएस आयोजन समिति के साथ मीटिंग कर जैम्स व ज्वैलरी इंडस्ट्री को बढ़ावा देने के बारे में विस्तृत चर्चा की। शो में महिलाओं व युवतियों ने ज्वैलरी पहनकर देखी और दोबारा आने का मन बनाया। जयपुरवासियों के साथ-साथ शहर आने वाले पेशेवर व अंतरराष्ट्रीय प्यटेंट भी शो में रत्न आभूषणों की विविधता से मंत्रमुग्ध हो गए। आंगतुक स्टॉल ऑनर्स से जुड़े और विभिन्न आभूषणों की दुनिया के बारे में जानकारी प्राप्त की।

जेजेएस के चेयरमैन विमल चंद्र सुराणा ने बताया कि इस बार के जेजेएस में रशियन और थाइलैंड के डेलिगेशन ने भी विजिट की और जेजेएस आयोजन समिति के साथ मीटिंग कर जैम्स व ज्वैलरी इंडस्ट्री को बढ़ावा देने के बारे में विस्तृत चर्चा की। शो में महिलाओं व युवतियों ने ज्वैलरी पहनकर देखी और दोबारा आने का मन बनाया। जयपुरवासियों के साथ-साथ शहर आने वाले पेशेवर व अंतरराष्ट्रीय प्यटेंट भी शो में रत्न आभूषणों की विविधता से मंत्रमुग्ध हो गए। आंगतुक स्टॉल ऑनर्स से जुड़े और विभिन्न आभूषणों की दुनिया के बारे में जानकारी प्राप्त की।

जयपुर से रानीवाला और अडोर ज्वैलर्स पुरस्कृत

रंगारंग शाम में जे.जे.एस. व इंडियन ज्वैलर डिजाइन अवॉर्ड्स-2024 की पुरस्कृत प्रविष्टियों की घोषणा

जयपुर। देश में रत्नाभूषण क्षेत्र की प्रमुख पत्रिका "इण्डियन ज्वैलर्स" द्वारा अपनी तरफ के एक अभिनव जेजेएस-इंडियन ज्वैलर डिजाइन अवॉर्ड्स-2024 का पुरस्कार विवरण प्रसिद्ध फिल्म अभिनेत्री वाणी कपूर द्वारा जयपुर के 'अटलांटिस बैंकवेट', सीतापुरा जयपुर में शूक्रवार शाम को एक रंगारंग सांस्कृतिक संध्या में किया। इस प्रतियोगिता में पूरे देश के आभूषण निर्माताओं, खुदरा विक्रेताओं एवं डिजाइनरों ने विभिन्न श्रेणियों तथा मूल्य वर्ग में अपनी प्रतिभागी डिजाइन समीक्षा एवं चयन के लिए प्रस्तुत की।



जेजेएस-इंडियन ज्वैलर डिजाइन अवॉर्ड्स-2024 के विजेता और उप विजेताओं के साथ इंडियन ज्वैलर्स पत्रिका के प्रकाशक और संपादक आलोक काला और बॉलीवुड अभिनेत्री वाणी कपूर मौजूद रहे।

जेजेएस के चेयरमैन विमल चंद्र सुराणा ने बताया कि इस बार के जेजेएस में रशियन और थाइलैंड के डेलिगेशन ने भी विजिट की और जेजेएस आयोजन समिति के साथ मीटिंग कर जैम्स व ज्वैलरी इंडस्ट्री को बढ़ावा देने के बारे में विस्तृत चर्चा की। शो में महिलाओं व युवतियों ने ज्वैलरी पहनकर देखी और दोबारा आने का मन बनाया। जयपुरवासियों के साथ-साथ शहर आने वाले पेशेवर व अंतरराष्ट्रीय प्यटेंट भी शो में रत्न आभूषणों की विविधता से मंत्रमुग्ध हो गए। आंगतुक स्टॉल ऑनर्स से जुड़े और विभिन्न आभूषणों की दुनिया के बारे में जानकारी प्राप्त की।

जौ.आर.टी. ज्वैलर्स, चैन्नई - टेम्पल ज्वैलरी के लिए, खुराना ज्वैलरी हाऊस, अमृतसर- वेस्ट ब्राइट डिजाइन, गोल्ड ज्वैलरी में एमराल्ड ज्वैलर्स इण्डस्ट्री इंडिया लि., कोयम्बटूर, वेस्ट ब्रेसलेट डिजाइनरों सावनसुखा ज्वैलर्स, कोलकाता, ए.जे.बी. फाईन ज्वैलर्स, लखनऊ - वेस्ट नैक्लेस डिजाइनर श्रेणी, हाऊस ऑफ स्पर्श प्रा. लि., मुंबई - डायमण्ड ज्वैलरी में व जयपुर से रॉयल रॉजिंग ज्वैलर्स बाई रानीवाला ज्वैलर्स एवं अडोर ज्वैलर्स विजेता रहे। जयपुर से रानीवाला और अडोर ज्वैलर्स पुरस्कृत हुए। अन्य विजेताओं में संस्कृति ज्वैलर्स, लक्ष्मी ज्वैलरी एक्सपोर्ट प्रा. लि., अहमदाबाद, ईरास्वा फाईन ज्वैलरी, मुंबई, राका ज्वैलर्स पीसी प्रा. लि पूरे शामिल थे।

सेक्सटॉर्शन मामले में युवती सहित तीन गिरफ्तार

जयपुर (कासं)। प्रतानगर पुलिस ने सेक्सटॉर्शन कर ब्लैकमेल करने की धमकी देकर रुपए ऐंठने के मामले में युवती सहित तीन बदमाशों को ऋतिक, अम्बेकर और प्रिया को कोटा शहर से गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार हसनपुरा एनबीसी कमला नेहरू नगर निवासी मकसुद खान ने मामला दर्ज करवाया कि उसके पास एक लड़की का मैसेज आया था इन्वेन्ट के काम के लिए बात करने के लिए फोन भी आया, मैसेज भी आया मैने फोन पर बात करके पता पूछा लड़की ने बताया कि वह वरमाला मैरिज गार्ड चौराहे पर पहुंच गई। वह लड़की के साथ फ्लेट में गया, जहां लड़की अकेली थी, लड़की ने उसे सम्बंध बनाने को कहा। तभी दूसरे कमरे से चार लड़के आ गए और 6 लाख रु. वसूलकर छोड़ा।

दूध के टैंकर ने पिकअप को टक्कर मारी

जयपुर। एमएनआईटी चौराहे पर शनिवार अलसुबह एक तेज रफ्तार दूध टैंकर ने पिकअप को टक्कर मार दी। टक्कर के बाद पिकअप पलट गई। इससे सड़क पर गाजर ही गाजर फैल गई। पिकअप गाजर लेकर मुहाना मंडी जा रही थी, इसी दौरान यह हादसा हो गया। पुलिस के अनुसार अलसुबह करीब 3.50 बजे एमएनआईटी चौराहे पर एक तेज रफ्तार दूध के टैंकर ने पिकअप को टक्कर मार दी। टक्कर से पिकअप पलट गई। इससे पिकअप में भरी गाजर सड़क पर फैल गई। सूचना पर मौके पर पहुंच कर पुलिस ने क्रेन की मदद से पिकअप को सीधा किया। पिकअप ने दोनों वाहनों को जब्त कर थाने पर खड़ा करवा दिया है।

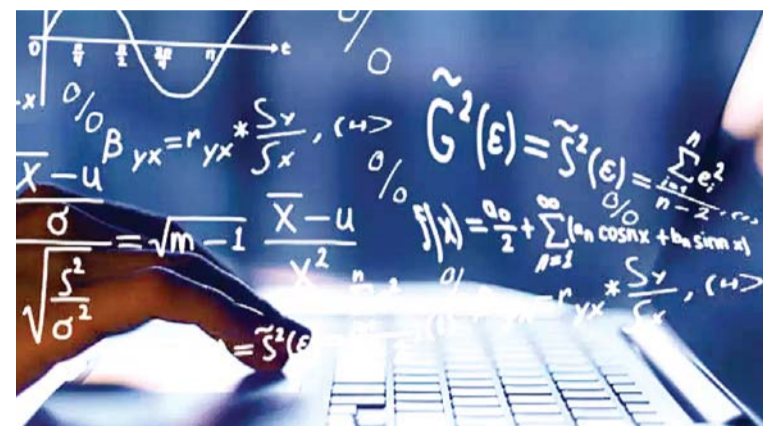
गायत्री महायज्ञ का आयोजन आज

जयपुर। पानीपेच की टीम 39, "जहां चाह वहां राह" जन कल्याण ट्रस्ट द्वारा सामूहिक श्री गायत्री महायज्ञ का आयोजन 22 दिसंबर को प्रातः 9 से प्रातः 11 बजे तक श्री सतीराम जी का मंदिर, गली नंबर 3, नेहरू नगर,पानीपेच, जयपुर में किया जाएगा। मीडिया प्रभारी मनीष केडिया एवं प्रधान ट्रस्टी विष्णु विद्यानी ने बताया कि 9 कुंडीय महायज्ञ में 51 जोड़ों द्वारा यज्ञ में आहुति दी जाएगी।

#NATIONAL TREASURE

National Mathematics Day

One of the greatest Indian mathematicians of all time, Ramanujan, is known for his work in the areas of Riemann series, hypergeometric series, elliptic integrals, continued fractions, and functional equations of the zeta function.



Mathematics plays a crucial role in understanding all sorts of subjects such as science, music, social studies and even art. The study of mathematics helps people to learn better problem solving skills and serves as a way to help humans organize and think logically. Mathematics Day is here to celebrate and appreciate everything that this discipline has to offer to individuals and to the world at large.



The National Mathematics Day (NMD) is observed on December 22 each year. It is celebrated to commemorate the birth anniversary of the great Indian mathematician, Srinivasa Ramanujan. December 22 was designated as the National Mathematics Day by the Manmohan Singh government in 2012. Since

then, the National Mathematics Day has been celebrated every year. The year 2012 was also termed and celebrated as the National Mathematics Year.

Srinivasa Ramanujan

A math genius of the highest degree, Ramanujan was born in 1887 in Erode, Tamil Nadu. One of the greatest Indian mathematicians of all time, Ramanujan is known for his work in the areas of Riemann series, hypergeometric series, elliptic integrals, continued fractions, and functional equations of the zeta function. Ramanujan's original mathematical research and theories were born in isolation, as his work was far too advanced and novel for the mathematicians of his day to work with him. However, through correspondence with an English math professor at the University of Cambridge, Ramanujan became more connected and eventually moved to England and became the first Indian Fellow at Trinity College in Cambridge.

He was awarded the B.A. degree by research at the Cambridge University. Ramanujan's life was cut short at age 32, when he died in 1920 of complications from a disease that he had earlier in his childhood. Even after his death, his contributions were important, especially when a lost notebook of his was found more than 50 years after his death, in 1976.

The great Indian mathematician has left behind around 4,000 original theorems. Now, Mathematics Day is here to appreciate and celebrate the life of Srinivasa Ramanujan and his contributions to the world. The introduction of Mathematics Day by the Indian government happened in 2011, in the lead up to what would be the celebration of 125th anniversary of Ramanujan's birth in 2012. That same year, the Indian government released a commemorative stamp in his honour.

The first Indian to document the city in a travelogue was Karpurthala's ruler Jagajit Singh, who visited the city in 1903.

Significance

The National Mathematics Day is celebrated to spread awareness about the importance of mathematics and the contributions made by Srinivasa Ramanujan in the field of mathematics. On the occasion of National Mathematics Day, like Srinivasa Ramanujan, who lacked formal education, children are encouraged to go beyond textbooks and get

engage in critical thinking and logical reasoning. On this occasion, schools and colleges organise several competitions, Olympiads and other educational events. Mathematics is an essential part of life and has been enriched with the contributions of great Indian mathematicians such as Aryabhata, Brahmagupta, Mahavira, and Bhaskara II.



KA Abbas.



Ajay Kamalakar

Since his death at the age of 72 in 1987, polymath Khwaja Ahmad Abbas, better known as KA Abbas, is remembered mainly for his screenplays and being one of the pioneers of Indian neo-realistic cinema. Abbas, is remembered mainly for his screenplays and being one of the pioneers of Indian neo-realistic cinema. Abbas, is remembered mainly for his screenplays and being one of the pioneers of Indian neo-realistic cinema.

Early in this stint, in July 1938, Abbas got an opportunity to travel from Bombay to Shanghai. He was just 24 then. And Shanghai had undergone an extraordinary transformation, becoming, as Abbas wrote in an article for his newspaper, the 'world's most amazing city.'

Once a nondescript fishing village, Shanghai turned into a melting pot of Chinese and European cultures after the British made it a treaty port, following the end of the First Opium War in 1842. Over the next few decades, several fortune-seeking foreign businessmen made their way to the city, altering its cultural landscape and helping it earn the moniker 'Paris of the East.'

The first Indian to document the city in a travelogue was Karpurthala's ruler Jagajit Singh, who visited the city in 1903.



Madame Chiang, Shanghai, 1937.

Not 'Shree 420' Or 'Awaara' KA Abbas's Travelogue From China

The lull on the ship was understandable. Abbas's co-passengers were refugees, who had fled, when the Japanese invaded and were finally returning home. Signs of the Japanese assault were visible to Abbas as his ship reached Shanghai. He wrote, "We go along a bend in the river, and then the doomed city of Woosung bursts on to our view. It was once a flourishing suburb of Shanghai, once! Now, it is all in ruins, victims of Japanese bombs and shells."

YANG-KING-PANG, SHANGHAI.



Shanghai, China, in early 20th century.

04. Singh wrote in glowing terms about the Shanghai International Settlement and the French Concession, but was visibly disturbed by the poor living conditions in the Chinese areas. By the time of Abbas's visit, the city had undergone profound change and also considerable tumult. In August 1937, the Imperial Japanese Army staged a brutal invasion of the city. Stiff resistance was offered by the Chinese, but in the end, the Japanese were victorious, capturing the Chinese parts of the city.

After the Japanese invasion, the International Settlement was run through a unique system of governance, with the British, Americans, Chinese and Japanese jointly administering it. The area was guarded by Scottish and Sikh soldiers, and the police force mainly comprised Sikhs and Chinese. Interestingly enough, the French maintained total control over the French Concession.

Abbas's article, dated July 12, 1938, started off on a sombre note, "It is the morning of Sunday, the 10th. Our ship is puffing its way up the delta of the Yangtze and Whangpo rivers, and as the stream is pretty fast, we can only move at snail's speed. All the Chinese passengers, most of whom belong to Shanghai and are returning after months of homelessness in Canton and Hong Kong, have been up from an early hour. Today they are unusually quiet as they look out in the direction of Shanghai."

The lull on the ship was understandable. Abbas's co-passengers were refugees, who had fled, when the Japanese invaded and were finally returning home. Signs of the Japanese assault were visible to Abbas as his ship reached Shanghai. He wrote, "We go along

#HISTORY



Takeover of Shanghai.

a bend in the river, and then the doomed city of Woosung bursts on to our view. It was once a flourishing suburb of Shanghai, once! Now, it is all in ruins, victims of Japanese bombs and shells."

Abbas sympathised with the plight of his Chinese co-passengers, writing, "Our Chinese friends look on with moist eyes, though they would not give expression to their feelings. Many of them had their homes here. They will, like a million more, take refuge in the International Settlement."

The passengers were herded onto a smaller boat and taken to the Custom House jetty, which was a scene of chaos. The Indian journalist described in *The Bombay Chronicle* his unusual welcome, "I am greeted with a smile by a young Chinese girl who hands me a flower and says some charming things to me, only I cannot understand them for she speaks Chinese. Then, I am embarrassed to find her pinning a bouquet to the lapel of my coat and I have to put an improvised pantomime show to ask her what it is all about." A student with a bundle of English books, who was passing by, explained that she was collecting money for a refugee camp, to which Abbas gladly contributed.

Urban Squalor
Among the overflowing crowds at the jetty, Abbas could not get a taxi to the International Settlement and had to witness the suffering of

the ordinary Chinese in Shanghai. He found that the only way to get to the Foreign YMCA in the posh part of the city was by a hand-pulled rickshaw.

Abbas hated riding the vehicle, which he called a relic from the days when slaves carried rich men in sedan chairs and pulled their carriages like horses." He described the locals' amusement when they saw "a most self-conscious young Indian riding in a rickshaw simultaneously, trying to keep his balance on the unsteady perch and hide his embarrassed countenance under the brim of his hat."

As the rickshaw went past trams, buses and bicycles, Abbas said that he feared for his life and swore never to ride one again. He was appalled at how poorly the rickshaw-pullers were paid and how many of them died of tuberculosis at a young age. "For 10 cents (roughly one anna), you can get them to pull a bloated plutocrat for a mile," he wrote. "Perhaps, only the peasant in some parts of India can equal this record of sweated labour."

In the Shanghai summer heat, the young journalist was relieved at seeing the better parts of the city. "Shanghai is full of far more exciting and pleasanter things than starving rickshawpullers, and the fast tempo of this, the world's most amazing city, its reckless pursuit of pleasure and the sense of insecurity and uncertainty of the future, which is in the air

as a legacy of the recent troubles, and which further sharpens the edge of desire for momentary enjoyment and escape from reality—these are guaranteed to set right the most uneasy social conscience."

Sin City
Despite the physical scars left by the Japanese invasion, the vibrant social and business life in the foreign-occupied parts went on as usual. When Abbas visited what he called the "strangest city in the whole world," there was no dearth of customers in glitzy restaurants, skating rinks, dance halls, cabarets, opium dens, or for that matter, brothels.

The city even had a cosmopolitan character. "There are large numbers of Germans, Portuguese, Russians (mostly refugees who found the country too hot after the revolution) and even some Indians," Abbas wrote. "As invariably happens in all cities with such a mixed population, mostly composed of fortune-seekers, adventurers and profiteers, the city acquired the vices and doubtful virtues of all, while maintaining the moral and cultural values of none."

Many had got rich quickly in Shanghai by selling opium to the Chinese or selling weapons to bandits and warlords. To them, spending their ill-gotten wealth on entertainment was only natural. "And thus, Shanghai came to be classed among the world's 'Cities

Worldwide Food Service Safety Month

Worldwide Food Service Safety Month focuses on keeping food prepared in the service industry safe. It also serves to remind us at home to ensure that we are doing the right things to make sure what we eat stays free of risks. And since this is the month where there's a high amount of festive feasting, keeping food safe is more important than ever! After all food preparation is complete, surfaces should always be washed. Utensils should not be used for different items before being washed.



#CELEBRATIONS

New Year's Eve Getaways in India

Don't want to spend New Year's Eve enclosed at home? No worries, we've got your back.

India is home to some of the most beautiful and fun places in the world. So when it's time for New Year's Eve, one can choose from a plethora of destinations to visit and have a great time. We present to you a list of some of the best places to celebrate new year in India.

Mumbai- The city that never sleeps

'The City of Dreams'

Mumbai, the bustling metropolis, stands as one of the best places to celebrate New Year in India. The city's iconic Marine Drive and Gateway of India become dazzling spectacles with vibrant lights and fireworks. Its numerous clubs, bars, and restaurants host lively parties, offering a diverse range of entertainment options, making Mumbai a perfect choice for those looking to embrace the urban fervour as they welcome the New Year.

Goa- India's own mini Las Vegas

'Beaches, Sunsets and Crazy Nights'

Goa stands out as one of the best New Year's Eve destinations, with its vibrant atmosphere, lively beach parties, and a pulsating nightlife. The coastal state transforms into a lively carnival during the year-end celebrations, attracting revellers from around the world. From beachside fireworks to all-night raves, Goa offers an unparalleled festive spirit, making it a go-to destination for those seeking a memorable and energetic start to the New Year.

New Delhi- The centre of everything in India

'The Capital City of India'

New Delhi, the capital city of India, emerges as one of the best places to celebrate New Year's Eve, offering a unique mix of historical landmarks and contemporary revelry. With iconic monuments like India Gate and Humayun's Tomb providing a majestic backdrop, the city hosts a range of events, from grand fireworks displays to chic parties in upscale venues. The fusion of tradition and modernity creates an unforgettable atmosphere, making New Delhi an ideal destination for those seeking a sophisticated and culturally rich way to ring in the New Year.

Kodaikanal emerges as one of the top choices for a New Year getaway, especially for those seeking tranquility amidst nature. The hill station's pleasant weather and scenic beauty create a perfect backdrop for a peaceful year-end celebration. Away from the bustling city life, Kodaikanal offers a serene escape with its misty mountains, lush greenery, and pristine lakes, making it an ideal destination for a reflective and rejuvenating start to the New Year.

Jaisalmer emerges as one of the top New Year's Eve destinations for those seeking an extraordinary experience in the heart of the Thar Desert. The majestic backdrop of the golden sand dunes sets the stage for a magical celebration under the starlit sky. With traditional folk performances, camel safaris, and a charming blend of heritage and festivities, Jaisalmer offers a distinctive celebration away from the usual urban buzz, making it an ideal choice for those looking to welcome the new year in a culturally rich and enchanting setting.



Puducherry

'The French Riviera of the East'

Puducherry emerges as one of the best places to celebrate New Year in India, offering a unique blend of tranquility and cultural richness. The French-influenced town provides a serene backdrop for those looking to ring in the New Year with a touch of history and spirituality. While beachside celebrations and cultural events add vibrancy to the occasion, Puducherry's quaint charm creates a perfect setting for reflective and peaceful start to the New Year.

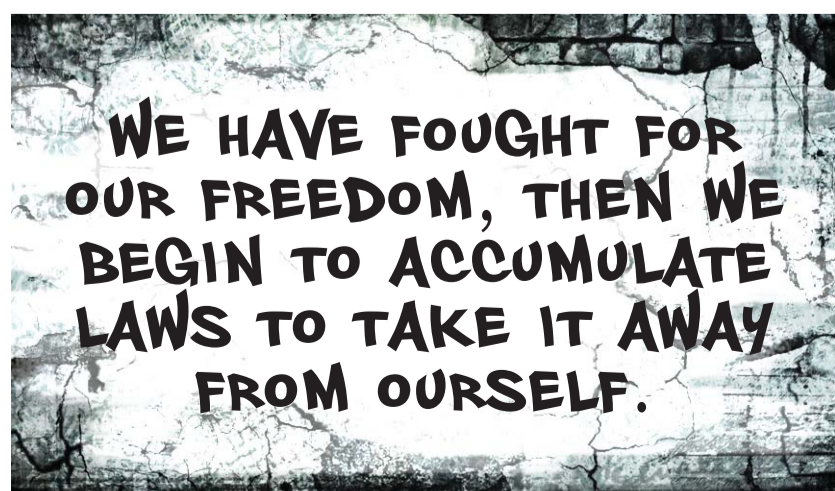
Kodaikanal, Tamil Nadu

'The Princess of Hill Stations'

Kodaikanal emerges as one of the top choices for a New Year getaway, especially for those seeking tranquility amidst nature. The hill station's pleasant weather and scenic beauty create a perfect backdrop for a peaceful year-end celebration. Away from the bustling city life, Kodaikanal offers a serene escape with its misty mountains, lush greenery, and pristine lakes, making it an ideal destination for a reflective and rejuvenating start to the New Year.

Jaisalmer emerges as one of the top New Year's Eve destinations for those seeking an extraordinary experience in the heart of the Thar Desert. The majestic backdrop of the golden sand dunes sets the stage for a magical celebration under the starlit sky. With traditional folk performances, camel safaris, and a charming blend of heritage and festivities, Jaisalmer offers a distinctive celebration away from the usual urban buzz, making it an ideal choice for those looking to welcome the new year in a culturally rich and enchanting setting.

THE WALL



BABY BLUES



By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS



By Jerry Scott & Jim Borgman

जयपुर-अजमेर एक्सप्रेस हाईवे पर जहां ब्लास्ट हुआ, वहां से अब भी यू-टर्न ले रहे टैंकर-ट्रक

शुक्रवार सुबह इसी जगह पर एल.पी.जी. गैस के टैंकर और ट्रक की भिड़त से ब्लास्ट हुआ था

-कार्यालय संवाददाता-
जयपुर। अजमेर-जयपुर एक्सप्रेस हाईवे पर शुक्रवार सुबह जिस रोड कट पर एलपीजी गैस से भरे टैंकर और ट्रक की भिड़त हुई, वहां से अब भी पेट्रोल-डीजल से भरे टैंकर और ट्रक यू-टर्न लेते दिख रहे हैं। शुक्रवार सुबह हुए इस हादसे में अब तक 14 लोगों की जान जा चुकी है, आग से झुलसे करीब 30-35 लोग अब भी ज़िंदागी-मौत के बीच जूझ रहे हैं। इसके बावजूद पुलिस-

एक्सपर्ट्स की मानें तो जिस जगह पर हादसा हुआ है, वहां रोड इंजीनियरिंग में भारी कमी है। अगर, समय रहते सुधार नहीं किया गया तो यहां पर और बड़ी घटनाएं हो सकती हैं। हाईवे पर एकाएक कट बनाने की जरूरत नहीं थी। रिंग रोड पर ही कर्व बना कर दूसरी ओर ट्रैफिक निकाला जा सकता था। चौड़ाई पर हाई मास्क लाइट नहीं लगी हुई है, इस कारण चौराहा होने का दूर से पता नहीं चलता है।



जयपुर में अजमेर रोड पर जिस कट पर शुक्रवार को ट्रक की टक्कर से गैस टैंकर में ब्लास्ट हुआ था, उसी कट पर दूसरे दिन भी असावधानी बरती गई और बड़ी गाड़ियां यू-टर्न लेती दिखाई दीं। फोटो में कल हुए ब्लास्ट का मलबा भी देखा जा सकता है।

■ इस हादसे में अब तक 14 लोगों की मौत हो चुकी, 30-35 लोग घायल हैं, इसके बावजूद पुलिस-प्रशासन की लापरवाही बरकरार

प्रशासन की लापरवाही बरकरार है। इस रोड कट को बंद करने अथवा यहां से ट्रक व टैंकरों के यू-टर्न रोकने के बजाय जिम्मेदार हाथ पर हाथ धरे बैठे हैं। ऐसे में अब भी यहां गाड़ियों के टकराने का खतरा बना हुआ है।

शुक्रवार सुबह करीब साढ़े 5 बजे यहां भीषण हादसा हुआ था, लेकिन शनिवार सुबह उसी समय पर ट्रैफिक नॉर्मल दिन की तरह दिखा। हादसे से बेफिक्र लोग यहां पर गलत तरीके से ओवरटेक, ओवरस्पीड व नियमों की धजियां उड़ाते हुए नजर आए।

चूँकि सड़क के दिनों में कोहरे के कारण दृश्यता बहुत कम हो जाती है। ऐसे में कट पर किसी भी प्रकार के रेडियम, रिफ्लेक्टर, सिग्नल, मार्कर नहीं हैं। बाहरी राज्यों से या दूसरे जिले से आने वाले वाहन चालक इस कट को दूर से देख ही नहीं पाते। इसलिए वह अपनी रफ्तार से इस पर निकलने लगते हैं और टर्न ले रहे वाहनों से टकरा जाते हैं। चौड़ाई पर बनाए गए कट और रोड की चौड़ाई काफी कम है। इसमें अगर कोई बड़ा ट्रक जैसे कंटेनर, गैस टैंकर निकल रहा है तो वह दोनों ओर की सड़क ब्लॉक कर देता है। संभवतया हादसे की ये वजह हो सकती है। चौड़ाई के आसपास स्कूल, पेट्रोल पंप हैं उसके बाद भी किसी भी प्रकार का बोर्ड एनएचएआई ने मौके पर नहीं लगाया गया। स्थानीय लोगों के अनुसार इस कट पर पुलिसकर्मियों भी ड्यूटी रहती है, लेकिन वे केवल वीवीआई लोगों को निकालने का काम करते हैं।

‘जयपुर-अजमेर हाईवे पर रोड कट खोलने की सहमति जे.डी.ए.और पुलिस ने दी थी’

जयपुर। अजमेर-जयपुर एक्सप्रेस हाईवे पर भांक्रोटा में हुए गैस टैंकर ब्लास्ट के बाद नेशनल हाईवे ऑथोरिटी ऑफ इंडिया (एनएचएआई) ने अपनी प्रारंभिक रिपोर्ट दी है। एनएचएआई ने घटना स्थल पर बनाए गए कट को खोलने के लिए जे.डी.ए. और पुलिस की सहमति होना बताया है। इसके साथ ही एनएचएआई ने इस तरह की घटना न घटे, इसके लिए कुछ सुझाव दिए हैं। इसमें घटनास्थल पोस्ट (रोड कट) पर 24 घंटे पुलिस की तैनाती करने और ज्वलनशील पदार्थ लेकर जाने वाले वाहनों को गाइड करने के लिए एस्कोर्ट सिस्टम शुरू करवाने के लिए कहा है।

- गैस टैंकर ब्लास्ट के बाद नेशनल हाईवे ऑथोरिटी ऑफ इंडिया ने अपनी प्रारंभिक रिपोर्ट दी
- एन.एच.ए.आई ने हादसे वाली जगह (रोड कट) पर 24 घंटे पुलिस की तैनाती करने और ज्वलनशील पदार्थ लेकर जाने वाले वाहनों को गाइड करने के लिए एस्कोर्ट सिस्टम शुरू करवाने के लिए का सुझाव दिया

होने के कारण ये कट खोल रखा है। हमने जिस फर्म को क्लोवर लीफ का काम दे रखा है, उसे इस काम तेजी और प्रार्थमिकता से पूरा करने के निर्देश दिए। इसके चलते फर्म के दूसरे काम (टॉक रोड और सीकर रोड पर चल रहे कार्यों) को भी कुछ समय के लिए रुकवाया है। संभावना है कि अगले साल के आखिरी तक क्लोवर लीफ का काम पूरा हो जाएगा।

कट 30 मीटर तक चौड़ा है, लेकिन फिर भी बड़े व्हीकल (खासकर लम्बे ट्रेलर) जब टर्न लेते हैं तो सड़क की चौड़ाई कम पड़ जाती है। इसे देखते हुए रोड कट वाली जगह के दोनों ओर रोड की चौड़ाई को 6 लेन से बढ़ाकर 10 लेन किया है। ताकि बड़ी गाड़ी के घूमने के दौरान ट्रैफिक जाम की स्थिति से बचा जा सके।

गैस टैंकर ब्लास्ट मामले में अब तक 14 लोगों की मौत

-कार्यालय संवाददाता-
जयपुर। भांक्रोटा इलाके में शुक्रवार सुबह हुए एल.पी.जी. गैस टैंकर और ट्रक की भिड़त के बाद हुए ब्लास्ट में शनिवार को 2 और लोगों की मौत हो गई। अब इस हादसे में मरने वालों की संख्या 14 हो गई है। इस हादसे में झुलसे 31 लोग अब भी हॉस्पिटल में भर्ती हैं। करीब 25 लोग तो 75 फीसदी तक झुलसे हैं। सवाई मानसिंह हॉस्पिटल पहुंचे कई शवों की अब तक पहचान नहीं हो सकी है। एक शव का तो केवल घड़ ही लाया गया था, जबकि एक शव पोतली में हॉस्पिटल पहुंचा था।

- सवाई मानसिंह अस्पताल में शुक्रवार सुबह 2 और घायलों ने दम तोड़ा
- अभी भी 25 से ज्यादा लोग ऐसे हैं, जो आग में 75 फीसदी झुलसे थे

दौरान जयपुर से अजमेर जा रहा ट्रक उससे भिड़ गया। इस टक्कर के बाद मौके पर ब्लास्ट हुआ और करीब 500 मीटर दूरी तक आग की लपटें फैली, जिसमें 5 लोग मौके पर ज़िंदा जले और 9 लोगों ने सवाई मानसिंह अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। गेल इंडिया लिमिटेड के (फायर

एंड सेप्टी) सुशांत कुमार सिंह ने बताया कि टक्कर से टैंकर के 5 नोजल टूट गए और 18 टन (180 क्विंटल) गैस लीक हो गई। इससे इतना जोरदार धमाका हुआ कि पूरा इलाका आग के गोले में तब्दील हो गया। जहां टैंकर में ब्लास्ट हुआ उसे करीब 200 मीटर दूर एलपीजी से भरा एक और टैंकर था। गनीमत रही कि उसने आग नहीं पकड़ी, अन्यथा बड़ा हादसा हो सकता था।

सचिन पायलट ने यूथ कांग्रेस के प्रदर्शन में कार्यकर्ताओं की हौसला हाफजाई की

जयपुर। राजस्थान यूथ कांग्रेस के बेरोजगारी, राज्य सरकार के एक साल के कार्यकाल और केंद्र सरकार के विरोध में प्रदर्शन कार्यक्रम में कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव सचिन पायलट ने कार्यकर्ताओं की हौसला हाफजाई की। इस दौरान सांसद कुलदीप इंदौरा, प्रदेश



■ विधायक अभिमन्यु पूनिया सहित कई कार्यकर्ता घायल हुए, राष्ट्रीय अध्यक्ष चिब को भी लीरा हिरासत में


कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा, युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय भानु, युवा कांग्रेस राजस्थान के प्रदेश अध्यक्ष अभिमन्यु पूनिया, सचिव चिरंजीवी राव, युवा कांग्रेस राजस्थान के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष यशवीर शूरा, सुधर मूंड, विधायक मुकेश भाकर, विधायक मनीष यादव, विधायक रामनिवास गावडिया, विधायक सुरेश गुर्जर, विधायक प्रशांत

यूथ कांग्रेस ने देशव्यापी अभियान ‘‘नौकरी दो, नशा नहीं’’ के तहत प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान बैरिकेड्स चढ़कर मुख्यमंत्री निवास को घेरने का प्रयास किया। इस दौरान पुलिस से झड़प हो गई।

शर्मा एवं हजारों युवा कांग्रेस के कार्यकर्ता मौजूद रहे।

यूथ कांग्रेस के देशव्यापी अभियान नौकरी दो, नशा नहीं और गृहमंत्री अमित शाह की ओर से बाबा साहब अंबेडकर के अपमान के मामले को लेकर राजस्थान यूथ कांग्रेस ने बेरोजगारी, राज्य सरकार के एक साल के कार्यकाल और केंद्र सरकार के विरोध में प्रदर्शन के बाद मुख्यमंत्री निवास का कार्यक्रम तय किया था लेकिन पुलिस ने शहीद स्मारक पर ही वाटर कैनन का इस्तेमाल और लाठी चार्ज करते हुए युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं को आगे नहीं बढ़ने दिया।


जयपुर के शहीद स्मारक पर किए गए प्रदर्शन के दौरान जैसे ही कार्यकर्ता मुख्यमंत्री आवास का घेराव करने के लिए निकले, तो उन पर पुलिस प्रशासन ने लाठीचार्ज कर दिया। इस दौरान तीन बार वाटर कैनन का इस्तेमाल करते हुए उन्हें रोका गया। वहीं, राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय भानु चिब और प्रदेश अध्यक्ष अभिमन्यु पूनिया सहित 40 कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया गया। वाटर कैनन के इस्तेमाल और लाठी चार्ज में 10 से ज्यादा कार्यकर्ताओं को चोट लगी जिनमें से दो-तीन कार्यकर्ताओं को गंभीर चोट भी लगी। इस दौरान कुछ पुलिसकर्मियों को भी चोट आई और वाटर कैनन के प्रेशर से वे सड़क पर गिर गए। बैरिकेडिंग पर चढ़े यूथ कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष को पुलिस प्रशासन ने बैरिकेडिंग से नीचे धकेला। बाद में प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लेकर प्रदर्शन को समाप्त कराने का प्रयास किया गया।









स्वास्थ्य सेवाओं का निरंतर उत्थान
आयुष्मान भारत, आयुष्मान राजस्थान

SAANS
साँस

निमोनिया नहीं, तो बचपन सही




श्री भजनलाल शर्मा
माननीय मुख्यमंत्री


सुरक्षा	रोकथाम	लक्षण
 बच्चे को पहले 6 महीनों के दौरान केवल स्तनपान कराएं	 निमोनिया के विरुद्ध टीकाकरण (यू-विन पोर्टल में अपडेट करें)	 बुखार
 बच्चों को पर्याप्त पोषण आहार (उम्र के अनुसार) प्रदान करें	 घर के अंदर प्रदूषण कम करें	 तेज साँस चलना या साँस लेने में कठिनाई होना

यदि बच्चे के स्वास्थ्य में ये लक्षण दिखाई दें तो तुरंत अपने नजदीकी राजकीय स्वास्थ्य केन्द्र/स्वास्थ्यकार्मिक से सम्पर्क करें

सम्पूर्ण प्रदेश में SAANS अभियान 12 नवम्बर 2024 से 28 फरवरी 2025 तक संचालित है, निमोनिया रोग की पहचान, प्रारंभिक प्रबंधन, रेफरल व उपचार सेवाएं निःशुल्क उपलब्ध हैं



राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन



राजस्थान

चिकित्सा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण सेवाएं (आई.ई.सी.), राजस्थान

TRUE VALUE

MARUTI SUZUKI



THE GREAT PRE-OWNED CAR FESTIVAL



WAGONR
30 - UNITS
₹3 00 000*
Onwards

BALENO
30 - UNITS
₹3 75 000*
Onwards

SWIFT
35 - UNITS
₹3 50 000*
Onwards

स्थान:
दशहरा मैदान,
आदर्श नगर, राजा पार्क
जयपुर-302004

CELEBRATING
50 LAKH+
HAPPY FAMILIES

अपनी मनपसंद pre-owned कार घर लाएं उचित मूल्य पर.

चुनें अपनी मनपसंद pre-owned कार हमारी बेहतरीन गाड़ियों की रेंज में से.

दिनांक:
21st - 22nd दिसंबर 2024



यहाँ ऐप डाउनलोड करें।

छवियों का इस्तेमाल केवल उदाहरण मात्र है



फ्री-होम डेवैल्युएशन



ऑन-टाइम पेमेंट



आसान RC ट्रान्सफर



376 क्वालिटी चेक पॉइंट्स



वेरिफाइड कार हिस्ट्री*



1 साल तक की वारंटी
और 3 फ्री सर्विस*

पूछताछ के लिए, कॉल करें 1800 102 1800 | www.marutisuzukitruevalue.com/hi-in/ पर जाएं

*नियम और शर्तें लागू। Verified Car History और Warranty केवल True Value प्रमाणित कारों पर लागू। निःशुल्क सेवा केवल श्रम शुल्क पर लागू है। वाहन पर काला शीशा प्रकाश प्रभाव के कारण होता है।

Jaipur: Chitrakoot Marg, Satya Colony, Tagore Nagar, Jaipur, Auric Motors: 8690988784, 7688990784 | Sector-35, Pratap Nagar, Tonk Road, Jaipur, Sanga Automation Pvt Ltd.: 9057809180, 7734909000, 7734901000 | Padmawati Colony - II, opposite Metro Pillar No 25, Mansarovar Metro Station Jaipur, Vipul Motors Pvt. Ltd.: 9829351470, 9509157505, 9351044999 | E-101, Road No. 8, Vkia Area, Jaipur, Prem Motors: 8058791634, 8058794068, 8058794091 | E-197(A), RIICO Industrial Area, Mansarovar, Jaipur, KP Automotive: 9116190342, 9116190346 | B 1 Govind Marg, Rajapark Opp. Pink Square Mall, KP Automotive: 9549650533, 9116190344 | A-209, Rajendra Prasad Nagar, 200ft Bypass, Ajmer Road, Jaipur, Satnam Motocorp: 7413900007, 7413900009, 7821823626 | 13 Jhotwara Industrial Area, Near Jhotwara Police Station, Jaipur, KTL: 7412068475, 9209056789.

TRUE VALUE
CERTIFIED

